मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 19 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल प्रतिपद संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 183, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ आपदा में अवसर खोजने की मानसिकताः समाज के लिए एक खतरनाक संकेत

अक्षय कुमार के शो में पहुंचे गजराती ब्लॉकबस्टर 6

रांची को मिली नई शहर सरकार

मेयर रोशनी खलखो समेत 53 पार्षदों ने ली शपथ

मेट्रो रेज

रांचीः रांची नगर निगम की नई टीम ने औपचारिक रूप से पदभार संभाल लिया है। शपथ ग्रहण समारोह में मेयर रोशनी खलखो समेत कुल 53 पार्षदों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। डिप्टी कमिश्नर मंजूनाथ भजंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और उमंग का माहौल था।

जैसे ही मेयर रोशनी खलखो ने शपथ ली, पूरा ऑडिटोरियम तालियों से गूंज उठा। इसके बाद, सभी पार्षदों ने एक-एक करके शपथ ली। पूरी प्रक्रिया जिला प्रशासन की देखरेख में शांतिपूर्वक पूरी हुई। शपथ ग्रहण के साथ ही नई जिम्मेदारियों का एहसास साफ तौर पर दिखा। मेयर और पार्षदों ने शहर के विकास, सफाई, ड्रेनेज सिस्टम, सड़कों की हालत और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने का वादा किया। शपथ ग्रहण के बाद, मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि उनका पहला लक्ष्य रांची को एक साफ, सुंदर और व्यवस्थित शहर बनाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर वार्ड की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा और उन्हें हल करने के लिए तुरंत कार्रवाई की जाएगी। पार्षदों ने जनता के साथ मिलकर काम करने और लोकल समस्याओं को दूर करने का भी वादा किया।

इस दौरान समर्थकों का जोश साफ दिख रहा था। कई जगहों पर मेयर और पार्षदों का माला पहनाकर स्वागत किया गया, जबकि समर्थकों ने नारे लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। पूरा माहौल जश्न से भर गया।

हालांकि, नई टीम के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। शहर में लंबे समय से जलभराव, ट्रैफिक जाम, वेस्ट मैनेजमेंट और पीने के पानी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। अब सबकी निगाहें इस नई टीम पर हैं कि वह इन मुद्दों को कितनी जल्दी और असरदार तरीके से हल कर पाती है। इस नई शुरूआत के साथ ही रांची के लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। अब देखना यह है कि क्या यह नई टीम अपने वादों को पूरा कर पाती है और शहर के विकास को नई दिशा दे पाती है।

वार्ड 31 के पार्षद नीरज कुमार बने नये डिप्टी मेयर

गुलाम शाहिद

रांचीः रांची नगर निगम में डिप्टी मेयर पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा समर्थित वार्ड संख्या 31 के पार्षद नीरज कुमार ने शानदार जीत दर्ज की। उन्हें कुल 38 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी महागठबंधन के उम्मीदवार वार्ड संख्या 44 के पार्षद परमजीत सिंह को मात्र 15 वोट ही मिल सके।

इस जीत के साथ नीरज कुमार रांची के नए डिप्टी मेयर निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्हें बधाइयां देने का सिलसिला शुरू हो गया।

चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें सभी पार्षदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नीरज कुमार की जीत को भाजपा खेमे के लिए एक बड़ी राजनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। नवनिर्वाचित डिप्टी मेयर नीरज कुमार ने अपनी जीत पर सभी पार्षदों एवं समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वे शहर के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और रांची को बेहतर बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

वहीं, महागठबंधन के उम्मीदवार परमजीत सिंह ने अपनी हार को स्वीकार करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान किया और विजेता को शुभकामनाएं दीं।

वाशिंगटन मिलिट्री बेस के ऊपर दिखे अज्ञात ड्रोन, हड़कंप,पूरे इलाके में अलर्ट जारी

यहीं रहते हैं विदेश और रक्षा मंत्री

वॉशिंगटन : ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका की राजधानी में स्थित एक सैन्य ठिकाने के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे जाने से हड़कंप मच गया है। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को पेंटागन के पास स्थित मिलिट्री बेस के ऊपर यह ड्रोन उड़ता देखा गया, जिसके बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया।

अमेरिकी अधिकारी फिलहाल यह पता लगाने में जुटे हैं कि ड्रोन कहां से आया और इसका उद्देश्य क्या था। सुरक्षा एजेंसियां इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिस इलाके में ड्रोन देखा गया, वहीं मार्को रुबियो और पीट हेगसेथ का निवास भी है। घटना के बाद दोनों नेताओं की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उन्हें एहतियातन अज्ञात स्थानों पर शिफ्ट किया गया है।

इस घटना के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या ईरान की गतिविधियां अब सीधे अमेरिकी धरती तक पहुंच गई हैं। अब तक ईरान पर मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन अमेरिका के भीतर इस तरह की घटना पहली बार सामने आई है। यदि जांच में इस ड्रोन का संबंध ईरान से जुड़ता है, तो इसे अमेरिका के लिए बड़ा सुरक्षा झटका माना जाएगा।

हालांकि, इस मामले में अभी तक न तो ईरान सरकार और न ही अमेरिकी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

इधर, ईरान ने अपने रुख को और सख्त करते हुए संकेत दिए हैं कि वह पीछे हटने के मूड में नहीं है। ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व ने कहा है कि जब तक अमेरिका माफी नहीं मांगता और हर्जाना नहीं देता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इस बीच, कतर में गैस ठिकानों पर हमलों के बाद क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है। घटनाक्रम के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपना रुख बदलते हुए ईरान के तेल और गैस ठिकानों पर हमला न करने का फैसला किया है।

पांच राज्यों में विस चुनाव

ज्ञानेश कुमार का वोटर्स को संदेश, बिना डर और पक्षपात के करें वोट

नई दिल्लीः असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ, चुनाव आयोग आगामी चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक का सबसे पारदर्शी चुनाव बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक निजी मीडिया समूह से बात करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा भारत निर्वाचन आयोग किसी भी मतदाता के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा, धमकी या प्रलोभन के प्रति बिल्कुल भी सहनशील नहीं है। विपक्षी दलों द्वारा उन पर और आयोग पर की गई आलोचना से बेपरवाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस विषय पर और कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेतृत्व

ने आयोग और विशेष रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाया है, लेकिन चुनाव निकाय अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों को पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुसार कराने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

हालांकि आगामी चुनावों में चुनाव आयोग का किसी भी पार्टी के प्रति कोई विशेष झुकाव नहीं है, फिर भी उसने राज्य प्रशासनों में भ्रष्ट या पक्षपाती अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करके सभी राजनीतिक दलों को निष्पक्ष अवसर प्रदान करने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग ने संविधान के अनुसार चुनाव सुनिश्चित करने के लिए मतदान वाले राज्यों में 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है और पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट, जिला निर्वाचन अधिकारी, रेंज अधिकारी से लेकर पुलिस महानिदेशक, गृह सचिव और यहां तक ??कि मुख्य सचिव तक के अधिकारियों का तबादला करने का आदेश दिया है ताकि चुनावों में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

चुनाव वाले सभी राज्यों, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में, चुनाव आयोग ने अधिकारियों के तबादले का आदेश दिया क्योंकि उसने पाया कि सत्ता में बैठे अधिकारी सत्तारूढ़ दल के प्रति राजनीतिक रूप से झुकाव रखते थे, जबकि अपना कर्तव्य निभाने वालों को तत्कालीन सरकार द्वारा दंडित किया जा रहा था। एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों में कुछ अधिकारियों को केवल कानून के अनुसार अपना कर्तव्य निभाने के लिए दंडित किया गया, जबकि अन्य जो सत्ताधारी शासन के पक्ष में थे, उन्हें आकर्षक पद और शक्ति प्राप्त हुई।

'चुप रहना कायरता नहीं, कूटनीति है', इजराइल- ईरान युद्ध पर शशि थरूर ने किया मोदी सरकार का समर्थन

नई दिल्लीः भारतीय राजनीति के दिग्गज और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने एक बार फिर अपनी बेबाक राय से सबको चौंका दिया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी भीषण संघर्ष पर जहाँ कांग्रेस नेतृत्व केंद्र सरकार की 'चुप्पी' को नैतिक हार बता रहा है, वहीं थरूर ने इसे भारत की जिम्मेदार कूटनीति करार दिया है।

राष्ट्रीय हित बनाम नैतिक दिखावा में लिखे अपने लेख में थरूर ने तर्क दिया कि विदेश नीति सिद्धांतों के अकादमिक सेमिनार जैसी नहीं होती। उन्होंने माना कि इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो सकती है, लेकिन भारत का संयम किसी डर का नहीं बल्कि रणनीतिक समझदारी का

परिचायक है। थरूर ने लिखाः इस संदर्भ में, चुप रहना कायरता नहीं है। यह हमारे राष्ट्रीय हितों और क्षेत्र की वास्तविकताओं के बीच संतुलन को समझने का नतीजा है। सिर्फ दिखावा करने से हमारे हित पूरे नहीं होंगे।

उनका यह रुख उनकी पार्टी के रुख से बिल्कुल अलग था। पिछले महीने जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए, जिसमें कई आम नागरिक और अयातुल्ला अली खामेनेई जैसे बड़े नेता मारे गए, तो कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की। कांग्रेस का कहना था कि सरकार ने इस युद्ध की सीधे तौर पर निंदा क्यों नहीं की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई की निंदा करने के मामले में भारत का रुख ₹नैतिक रूप से स्पष्ट₹ होना चाहिए। वहीं, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खामेनेई की हत्या पर सरकार की चुप्पी को तटस्थ रुख नहीं, बल्कि अपनी ज़िम्मेदारी से भागना बताया।

उदारवादियों और नैतिक दिखावे परः खुद थरूर ने भी माना कि खामेनेई की हत्या पर देर से संवेदनाएं भेजकर भारत ने अपनी प्रतिक्रिया देने में थोड़ी चूक की। हालांकि, उन्होंने यह भी तर्क दिया कि टकराव के बजाय चुप रहने का विकल्प चुनने के लिए सरकार को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा, भारत की चुप्पी का मतलब यह नहीं है कि वह इस युद्ध का समर्थन करता है। इसका मतलब यह है कि हमारे राष्ट्रीय हितों को पूरा करने के लिए समझदारी की जरूरत है, न कि सिर्फ. दिखावे की।कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता ने उन तथाकथित उदारवादियों पर निशाना साधा, जो सरकार पर नैतिक कायरता का आरोप लगाते हैं और कार्रवाई की मांग करते हैं, जबकि उनका खुद इस मामले से कोई सीधा लेना-देना नहीं होता। उन्होंने ऐसे लोगों की तुलना एक सर्कुलर फायरिंग स्क्वाड से की, जो अपने ही लोगों को गोली मार देता है।

ट्रंप की ईरान को चेतावनी, कतर पर दोबारा हमला हुआ तो पूरा गैस फील्ड उड़ा देंगे

वॉशिंगटनः इजरायल द्वारा बुधवार रात ईरान के एक महत्वपूर्ण गैस केंद्र साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमला करने पर जवाबी हमले में ईरान ने कतर में एक प्रमुख एलएनजी सुविधा पर जवाबी हमला करने पर अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की चेतावनी दी कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो वे उसका पूरा गैस फील्ड को उड़ा देंगे जो ईरान ने कभी सोचा नहीं होगा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र सहित पड़ोसी देशों के ऊर्जा केंद्रों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये, जिससे वहां की एलएनजी सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायल के हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में जो कुछ भी हुआ है, उससे गुस्से में आकर इजरायल ने हिंसक तरीके से ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हिंसक हमला किया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि पूरे क्षेत्र का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा ही प्रभावित हुआ है। हैरानी की बात यह है कि अमरीकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को इस हमले का पता नहीं था, न उन्हें इसका अंदाजा था कि ऐसा कुछ होने वाला है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि और कतर भी इसमें शामिल नहीं था। मगर यह भी जोड़ा कि ईरान का कतर की एलएनजी गैस सुविधा के एक हिस्से पर हमला अनुचित और अन्यायपूर्ण था।

उन्होंने आश्वासन दिया कि इस अत्यंत

महत्वपूर्ण और बहुमूल्य साउथ पार्स फील्ड में इजरायल अब कोई और हमले नहीं करेगा, हालांकि यह भी चेतावनी दी कि जब तक ईरान मूर्खतापूर्ण ढंग से बेहद निर्दोष देश कतर पर हमला करने का फैसला नहीं करता। अगर ईरान ऐसा करता है तो अमेरिका, इजरायल की मदद या सहमति के बिना या उसके साथ पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को इतनी ताकत और शक्ति से उड़ा देगा जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा ।

गौरतलब है कि दुनिया का सबसे बड़ा गैस क्षेत्र पार्स गैस फील्ड दक्षिणी ईरान के बुशहर प्रांत के तट पर स्थित है। ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी ने देश के पेट्रोलियम मंत्रालय के हवाले से कहा कि कई सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है लेकिन फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और गैस क्षेत्र में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। सूत्रों के हवाले से इजरायली मीडिया ने खबर दी है कि देश की वायुसेना ने इस हमले को अंजाम दिया।

साउथ पार्स फील्ड (जिसे कतर के साथ साझा किया जाता है और वहां इसे नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है) दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र है। यह ईरान के कुल गैस उत्पादन का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। इस क्षेत्र से निकलने वाली प्राकृतिक गैस ईरान के राष्ट्रीय पावर ग्रिड के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से को ऊर्जा देती है। यह ईरान के विशाल पेट्रोकेमिकल और गैसोलीन उत्पादन उद्योगों के लिए कच्चे माल का प्राथमिक स्रोत है। भारी प्रतिबंधों के बीच, यह क्षेत्र घरेलू हीटिंग, खाना पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए अनिवार्य ऊर्जा की जीवनरेखा है। हालांकि ईरान के हिस्से का अधिकांश उपयोग घरेलू है, लेकिन कतर (जो कि दुनिया का शीर्ष एलएनजी निर्यातक है) से साझा होने के कारण इसमें किसी भी तरह के व्यवधान से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तत्काल उछाल आता है। इस हमले के तत्काल क्षेत्रीय और वैश्विक नतीजे सामने आये हैं। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, असालुयेह के पास प्रसंस्करण सुविधाओं में आग लग गयी है और प्रतिदिन 1।2 करोड़ घन मीटर उत्पादन करने वाले कम से कम एक अपतटीय प्लेटफॉर्म का संचालन निलंबित कर दिया गया है।

इजरायली हमले में ईरान के खुफिया मंत्री खतीब की मौत, 24 घंटे में तीसरे बड़े अधिकारी की हत्या

एजेंसी/ तेहरानः ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इजरायली हमले में देश के खुफिया मामलों के मंत्री इस्माइल खतीब की मौत की आधिकारिक पुष्टि करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। यह पिछले 24 घंटे के भीतर किसी उच्च पदस्थ तीसरे ईरानी अधिकारी की हत्या है। खतीब की मौत से पहले सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र के प्रमुख अली लारीजानी और बसीज मिलिशिया के कमांडर गुलामरेजा सुलेमानी भी मारे गए थे। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने खुफिया प्रमुख की हत्या की पुष्टि करते हुए एक्स पर लिखा मेरे प्रिय सहयोगियों इस्माइल खतीब, अली लारीजानी और अजीज नासिरजादेह की कायरतापूर्ण हत्या, साथ ही उनके परिवार के कुछ सदस्यों और साथ आई टीम के मारे जाने से हम गहरे शोक में हैं।

उन्होंने कहा कि मैं दो कैबिनेट सदस्यों, शूरा के सचिव और सैन्य एवं बसीज कमांडरों की शहादत पर ईरान की महान जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मुझे विश्वास है कि उनका रास्ता पहले से कहीं अधिक दृढ़ता के साथ जारी रहेगा। इससे पहले, इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि उन्होंने और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को किसी भी अन्य वरिष्ठ ईरानी अधिकारी को निशाना बनाकर मारने का अधिकार दे दिया है, जिसके लिए किसी अतिरिक्त मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी। काट्ज के कार्यालय द्वारा जारी बयानों के अनुसार एक सुरक्षा समीक्षा के दौरान काट्ज ने कहा कि आज के दिन, सभी मोर्चों पर महत्वपूर्ण आश्चर्यों की उम्मीद है, जिससे ईरान और लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ हम जो युद्ध लड़ रहे हैं, वह और तेज हो जाएगा। उन्होंने कहा ईरान में हमलों की तीव्रता बढ़ रही है। इजरायल के जनरल स्टाफ के प्रमुख, लेफ्टिनेंट जनरल अयाल जमीर ने ईरानी खुफिया प्रमुख के मारे जाने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कल रात हमने ईरानी आतंकवादी शासन के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब पर हमला किया और उन्हें मार गिराया और साथ ही इमाम हुसैन डिवीजन के कमांडर पर भी हमला किया, जो अपने पूर्ववर्ती के मारे जाने के बाद अभी ठीक से अपना पद भी नहीं संभाल पाए थे। गार्डियन के अनुसार, इज?ायल रक्षा बल (आईडीएफ) खुफिया जानकारी इक्ा कर रही थी, जिसकी मदद से वे पिछले 24 घंटों में तीन वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों की मौत की घोषणा कर पाए। इनमें खतीब भी शामिल थे जो नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के करीबी थे।

सरहुल, ईद और रामनवमी को लेकर मुरी ओपी में शांति समिति की बैठक

मुरी: सरहुल, ईद और रामनवमी को लेकर मुरी ओपी में शांति समिति की बैठक बुलायी गई, जिसकी अध्यक्षता मुरी प्रभारी राहुल मेहता ने की। समिति का संचालन फारुख ने किया। समाज के जागरूक एवं उतरदायी लोगों ने ठोस विचार रखे,ताकि कही त्योहार में बिघ्न बाधा न उत्पन्न हो जाए। जैसे नशा मुक्त हो। उस दिन कम से कम शराब भट्टी बंद रहे। तेज रफ्तार वाले बाइक्स पर अंकुश लगे। इन सभी विचारों सुनने के बाद सिल्ली प्रखंड की सीओ अरूणिमा एक्का ने कहा कि त्योहार में जब तक लोग घर न लोट जाए, प्रशासन डटा रहेगा और सहयोग करेगा। वही मुरी थाना प्रभारी ने कहा कि डीजे पुरी तरह से बंद रहेगी, पारम्परिक ढोल नगाड़े का प्रयोग करे। पुराने रुट से ही लोग जाए। नशा में न रहे। कहाँ क्या हो रहा है उससे दिग्भ्रमित न होए। मुखिया लालु राम उरांव ने कहा कि न मतभेद है, ना मतभेद रखेगें। वार्ड सदस्या भवानी सिंह मुंडा ने कही कि बाहर के लडके सरहुल में जानबूझकर कर छेडखानी करते हैं, पुलिस से अनुरोध है कि बुलाने पर आईएगा ना। इसी तरह गोंदरा उरांव, एक्स जिप सदस्य सुशील महतो, चांद, अमित, मुख्तार आदि ने विचार रखे। इसके तुरंत बाद सिल्ली थाना में भी शांति समिति की बैठक रखी गई थी।

पीएलएफआई के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू ने किया आत्मसमर्पण

खूंटी: मुरहू थाना क्षेत्र के बम्हनी गांव निवासी पीएलएफआई के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू ने उग्रवाद का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का बड़ा फैसला लिया है। खूंटी पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करते हुए उसने शांतिपूर्ण जीवन जीने की इच्छा जताई।

2012 में जुड़ा, कई घटनाओं में रहा शामिलः हाबिल मुंडू वर्ष 2012 में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई से जुड़ा था। गांव में जमीन विवाद और आपसी संघर्ष के कारण वह इस रास्ते पर चला गया। इसके बाद वह लेवी वसूली, लूट, रंगदारी, फायरिंग और हिंसक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहा। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ खूंटी, मुरहू, तोरपा और कर्रा थाना क्षेत्रों में दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, लूट और हथियार रखने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

जेल गया, फिर भी नहीं छोड़ा संगठन।

वर्ष 2016 में गिरफ्तारी के बाद हाबिल करीब 7 साल तक जेल में रहा। 2023 में रिहा होने के बाद उसने फिर से उग्रवादी गतिविधियों में सक्रियता बढ़ा दी। मोबाइल ऐप के जरिए वह अपने साथियों से संपर्क में रहकर लेवी वसूली, फायरिंग और दहशत फैलाने का काम करता था। दिसंबर 2025 में डुगडुगिया गांव में ठेकेदार से लेवी वसूली के दौरान फायरिंग की घटना में भी उसकी संलिप्तता सामने आई।

जिंदगी में आया बड़ा बदलावः हाबिल मुंडू के जीवन में बदलाव 2024 में शुरू हुआ, जब उसकी मुलाकात पेट्रोल पंप कर्मी रंदाय कंडीर से हुई। इसके बाद 2025 में उसकी शादी हुई और एक बच्चे का जन्म हुआ। परिवार की जिम्मेदारी और बदलती सोच ने उसे हिंसा का रास्ता छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उसने कहा कि संगठन अब अपने मूल सिद्धांतों से भटक चुका है और वह अब खेती कर शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहता है।

प्रशासन ने दिया भरोसाः उपायुक्त आर रॉनिटा ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के पुनर्वास की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन उठाएगा। उन्होंने अन्य उग्रवादियों से भी अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ें। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सरकार की योजनाओं के माध्यम से आत्मसमर्पण करने वालों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें।

हाबिल मुंडू का आत्मसमर्पण न सिर्फ खूंटी जिले के लिए एक बड़ी सफलता है, बल्कि यह उन उग्रवादियों के लिए भी एक संदेश है कि मुख्यधारा में लौटकर सम्मानजनक जीवन संभव है।

पुलिस को मिली नई गाड़ियां, पेट्रोलिंग और आपात सेवा होगी मजबूत

खूंटी: जिले की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से झारखंड सरकार द्वारा खूंटी जिला पुलिस को 14 बोलेरो वाहन एवं 12 बाइक उपलब्ध कराए गए हैं। इन सभी वाहनों को आज जिला मुख्यालय परिसर से उपायुक्त आर। रोनीटा एवं पुलिस अधीक्षक मनीष तोपो ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनीष तोपो ने बताया कि इन सभी गाड़ियों का वितरण जिले के विभिन्न थानों में किया जाएगा। इससे पेट्रोलिंग व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा डायल 112 सेवा के तहत किसी भी आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और सुरक्षा की जरूरतों को देखते हुए यह कदम काफी महत्वपूर्ण है। नई गाड़ियों के जुड़ने से अपराध नियंत्रण, गश्ती और आम जनता की सुरक्षा में बेहतर सुधार देखने को मिलेगा।आगामी पर्व-त्योहारों को लेकर भी पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एसपी ने जानकारी दी कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए तीन ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। इससे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखी जाएगी। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के इस संयुक्त प्रयास से खूंटी जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विधानसभा बजट सत्र संपन्न, अंतिम दिन मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

राज्य में महिलाओं के लिए शुरू होगी मंईयां बलवान व मंईयां उद्यमी योजना

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के आखिरी दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सरकार की उपलब्धियों और आने वाली योजनाओं को सरल शब्दों में पेश किया। उन्होंने कहा कि सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है और जनता से किए वादों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

हम जो कहते हैं, वही करते हैं: बजट सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य की

आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हुई है और वित्तीय प्रबंधन में झारखंड अब 13वें से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, हम जो कहते हैं, वही करते हैं , और यही सरकार की पहचान है। सामाजिक सुरक्षा के बारे में उन्होंने बताया कि पहले जहां 12-13 लाख लोगों को पेंशन मिलती थी, अब यह बढ़कर 36 लाख हो गई है। खास बात यह है कि अब परित्यक्ता (छोड़ी गई) महिलाओं को भी पेंशन दी जा रही है। महिलाओं के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। मंईयां सम्मान योजना के तहत करीब 50 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा है और इस योजना के लिए बजट में सबसे ज्यादा पैसा रखा गया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब सिर्फ मदद लेने वाली नहीं, बल्कि फैसले लेने में भी आगे आ रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार काम कर रही हैः मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि महिलाओं के लिए और योजनाएं शुरू की जाएंगी, जैसे जोहार परियोजना , मंईयां बलवान योजना और मंईयां उद्यमी योजना । शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार काम कर रही है। सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में छात्रों की रुचि बढ़ी है और कई छात्र आगे पढ़ाई के लिए चयनित हुए हैं। पहले 80 ऐसे स्कूल थे, अब 100 और नए स्कूल खोले जाएंगे। सरकार ने शिक्षा के लिए 18,800 करोड़ रुपये, यानी कुल बजट का 12 प्रतिशत तय किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए पढ़ाई और ज्ञान जरूरी है।

झारखंड लगातार आगे बढ़ रहा हैः आदिवासी मुद्दों पर उन्होंने कहा कि देश के किसी भी हिस्से में आदिवासियों की आवाज उठाना जरूरी है और झारखंड इस जिम्मेदारी को निभाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार पहली बार दावोस गई, जहां निवेश के नए मौके मिले हैं। अंत में उन्होंने कहा कि अब लोगों में फिर से भरोसा बढ़ा है और झारखंड लगातार आगे बढ़ रहा है।

नौ दिवसीय महायज्ञ शुरू, निकाली गई कलश यात्रा

संवाददाता

रामगढ़: जिले के गिद्दी में चैती नवरात्र के अवसर पर नौ दिवसीय महायज्ञ की शुरूआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। दामोदर तट पर वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए। 27 मार्च को पूणार्हुति और 28 मार्च को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इससे संबंधित पूरी खबर नीचे पढ़ें।

गिद्दी से रंजीत कुमार की रिपोर्ट : झारखंड में रामगढ़ जिले के गिद्दी में चैती नवरात्र के पहले दिन गुरुवार से श्रीश्री 108 शिव हनुमान राधा कृष्ण राम दरबार नौ दिवसीय महायज्ञ की शुरूआत हो गई है। यहां पर हर साल चैती नवरात्र के मौके पर महायज्ञ का आयोजन किया जाता है। नवरात्र के पहले दिन महायज्ञ शुरू होने से पहले रैलीगढ़ा के शिव मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा का उद्घाटन गिद्दी थाना प्रभारी राणा भानु प्रताप सिंह और महायज्ञ समिति के अध्यक्ष अवधेश कुमार उपाध्याय ने किया।

कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं, जो सिर पर कलश लेकर गाजे-बाजे और भगवान के जयकारों के साथ आगे बढ़ रही थीं। श्रद्धालुओं की भीड़ और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कलश यात्रा गिद्दी के दामोदर नदी तट पर पहुंची, जहां यज्ञाचार्य जीवन पांडेय के नेतृत्व में यजमान सुदामा शर्मा और प्रमिला देवी द्वारा विधिवत पूजन कराया गया। यहां वरुण पूजन सहित कई धार्मिक अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए। इसके बाद कलश में पवित्र जल भरकर सभी श्रद्धालु दोबारा यज्ञ मंडप की ओर लौटे। यज्ञ मंडप पहुंचने के बाद मंडप प्रवेश सहित कई अन्य धार्मिक विधियां पूरी की गईं। पूरे वातावरण में मंत्रोच्चार और भक्ति की ध्वनि सुनाई देती रही। यज्ञाचार्य जीवन पांडेय ने बताया कि शुक्रवार से श्रद्धालु यज्ञ मंडप की परिक्रमा शुरू करेंगे, जो पूरे नौ दिनों तक जारी रहेगी। महायज्ञ समिति के अध्यक्ष अवधेश कुमार उपाध्याय और सचिव प्रेमचंद शर्मा ने जानकारी दी कि इस नौ दिवसीय महायज्ञ की पूणार्हुति 27 मार्च को हवन के साथ की जाएगी। इसके अगले दिन 28 मार्च को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

खूंटी नगर पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, शशांक शेखर बने उपाध्यक्ष

खूंटी : नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत खूंटी नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। राज्य निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार समाहरणालय स्थित सभागार में पूरी चुनाव प्रक्रिया निवार्ची पदाधिकारी एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी की देखरेख में संपन्न कराई गई। उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी–वार्ड संख्या-8 के पार्षद शशांक शेखर एवं वार्ड संख्या-3 के पार्षद दिनेश कुमार महतो मैदान में थे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत हुए मतदान में नगर पंचायत के सभी 19 वार्ड पार्षदों ने मतपेटिका के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के बाद घोषित परिणाम में शशांक शेखर को 13 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी दिनेश कुमार महतो को 6 मत मिले। इस प्रकार शशांक शेखर ने स्पष्ट बहुमत के साथ उपाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की।

परिणाम घोषित होने के बाद निवार्ची पदाधिकारी द्वारा शशांक शेखर को विधिवत प्रमाण पत्र सौंपा गया। इसके पश्चात नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रानी टुटी ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर निर्वाचन से जुड़े विभिन्न पदाधिकारी एवं कोषांग के कर्मी उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से पूरी निर्वाचन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज, जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करेंगे राहुल गांधी

रांचीः अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत झारखंड और ओडिशा के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 22 मार्च से 31 मार्च तक पश्चिम सिंहभूम जिले के चाईबासा स्थित ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित होगा। इस पहल का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना और नेतृत्व क्षमता को विकसित करना है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के जरिए जिला

अध्यक्षों की कार्यक्षमता को बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके साथ ही संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

प्रशिक्षण के प्रमुख विषय : शिविर के दौरान प्रतिभागियों को जनसंपर्क, संगठन विस्तार, राजनीतिक रणनीति और जनहित के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही पार्टी की विचारधारा और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कार्यशैली को सशक्त बनाने पर भी जोर रहेगा। राहुल गांधी का संबोधन और कार्यकर्ताओं में उत्साहः इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शिविर के दौरान एक दिन के लिए शामिल होंगे और जिला अध्यक्षों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

केंद्रीय सरना समिति की प्रेस वार्ता

सरहुल पर तीन दिवसीय राजकीय अवकाश की मांग

रांची : केंद्रीय सरना समिति के तत्वावधान में सरहुल महापर्व को लेकर सरना टोली हातमा स्थित केंद्रीय सरना पूजा स्थल पर तैयारी बैठक सह प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान समिति ने राज्य सरकार से सरहुल के अवसर पर तीन दिवसीय राजकीय अवकाश घोषित करने की मांग की।

धार्मिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी: प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्य पहान जगलल पाहन ने सरहुल पर्व के धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को चैत शुक्ल द्वितीया के दिन उपवास, केकड़ा-मछली पकड़ाई और रात्रि में जल रखाई पूजा होगी। शनिवार को चैत शुक्ल तृतीया के दिन मुख्य पूजा, वर्षा भविष्यवाणी और दोपहर 1:30 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी, जबकि रविवार को फूल खोशी

(पुष्प अर्पण) का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने लोगों से पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पर्व मनाने की अपील की।

पर्व के स्वरूप को लेकर समिति की चिंता: समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि सरहुल जैसे पवित्र पर्व के दौरान कुछ लोग डीजे और राजनीति के माध्यम से माहौल को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने समाज से इस प्रकार की गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से सरहुल शोभायात्रा के दिन पूरे झारखंड में शराबबंदी लागू करने की मांग की।

नगर निगम से व्यवस्थाओं की अपीलः समिति ने रांची नगर निगम प्रशासन से पूजा स्थलों की साफ-सफाई, बिजली, चलंत शौचालय और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। इसके साथ ही शोभायात्रा के दिन सभी सुलभ शौचालयों को निशुल्क करने की मांग भी रखी गई।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर जोरः समिति ने प्रशासन से शोभायात्रा के दिन शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने और प्रत्येक चौक-चौराहे पर मजिस्ट्रेट की तैनाती सुनिश्चित करने की मांग की। इसे पर्व के दौरान सुरक्षा और सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक बताया गया। श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण आयोजन की अपीलः समिति ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे सरहुल शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य-संगीत और भाईचारे के साथ भाग लें। साथ ही पर्व को शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई।

हरिहरगंज नगर पंचायत में शपथ ग्रहण, अध्यक्ष और 16 वार्ड पार्षदों ने संभाली जिम्मेदारी

पलामूः जिले के हरिहरगंज नगर पंचायत में बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रखंड सभागार में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष और 16 वार्ड पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

समारोह की शुरूआत पलामू उपायुक्त सामीरा एस द्वारा हरिहरगंज नगर पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी को शपथ दिलाकर की गई। इसके बाद सभी 16 वार्ड पार्षदों को भी क्रमवार शपथ दिलाई गई। शपथ लेने के बाद अध्यक्ष शीला चौधरी ने नगर के विकास और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लिया।

शपथ ग्रहण के बाद उपायुक्त सामीरा एस ने सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें चुना है, उसे बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने नगर पंचायत को स्वच्छ, हरित और विकसित बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों से मिलकर काम करने की अपील की।

इस समारोह में वार्ड 1 से आस्मिन परवीन, वार्ड 2 से वृजनंदन साव, वार्ड 3 से अमरजीत कुमार, वार्ड 4 से पिंकी कुमारी, वार्ड 5 से पुष्पा देवी, वार्ड 6 से कृष्ण कुमार, वार्ड 7 से सुशील कुमार रवि, वार्ड 8 से स्वेता देवी, वार्ड 9 से पवन कुमार, वार्ड 10 से अवधेश कुमार मेहता, वार्ड 11 से रामजी पासवान, वार्ड 12 से सूरज देवी, वार्ड 13 से हसीना खातून, वार्ड 14 से रिंकू देवी, वार्ड 15 से त्रिपुरारी राम और वार्ड 16 से अनुराधा कुमारी ने शपथ ग्रहण किया। सभी पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड के विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

शपथ ग्रहण के बाद सभागार में उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत नामांकन और मतदान की प्रक्रिया पूरी की गई। निवार्ची पदाधिकारी विजय केरकेट्टा की देखरेख में मतगणना हुई, जिसमें वार्ड संख्या 7 के पार्षद सुशील कुमार रवि को 10 वोट मिले, जबकि वार्ड संख्या 2 के वृजनंदन साव को 6 वोट प्राप्त हुए। इस प्रकार, सुशील कुमार रवि ने 4 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर उपाध्यक्ष पद हासिल किया।

आरपीएफ ने किया रेलवे संपत्ति चोरी मामले का खुलासा

पांच गिरफ्तार, सामान बरामद

मेट्रो रेज

रांची : रांची रेल मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे संपत्ति चोरी के मामले का खुलासा किया है। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ की टीम लगातार सतर्कता बरत रही थी। इसी दौरान मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

पीआरएस भवन में तोड़फोड़ से शुरू हुआ मामला: 15/16 मार्च 2026 की रात आरपीएफ कार्यालय, रांची (रेलवे कोर्ट के पास) की खिड़की तोड़े जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद आरपीएफ पोस्ट रांची में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

परित्यक्त क्वार्टर में चल रही थी चोरी: 17 मार्च को आरपीएफ और अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर उत्तर रेलवे कॉलोनी स्थित एक खाली रेलवे क्वार्टर में छापेमारी की। वहां 5 लोग रेलवे के बिजली केबल काटते और उसका इंसुलेशन हटाते हुए रंगे हाथों पकड़े गए।

मौके से चोरी का सामान बरामद: छापेमारी के दौरान रेलवे का करीब 42 मीटर बिजली केबल, 2 हेक्सा ब्लेड और 1 पेपर कटर बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने पंप हाउस का ताला तोड़कर पहले भी केबल चोरी की थी और आरपीएफ भवन में चोरी की कोशिश की थी।

चार आरोपी गिरफ्तार, एक किशोर भी शामिल: गिरफ्तार आरोपियों में साहिल कच्छप (21), कृष्णा मुंडा (21), अनुज टोप्पो (24) और लव मुंडा (24) शामिल हैं। इनके अलावा एक 16 वर्षीय किशोर को भी अभिरक्षा में लिया गया है। सभी आरोपी चुटिया थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

मामला दर्ज, जांच जारी: सभी आरोपियों के खिलाफ रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर लगाई रोक

आदेश में कहा गया था आरआरडीए क्षेत्र में पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधियों को नक्शा पास करने का अधिकार नहीं

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड हाईकोर्ट की डबल बेंच ने हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि आरआरडीए क्षेत्र में पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधियों को नक्शा पास करने का अधिकार नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने आरआरडीए को यह भी निर्देश दिया है कि प्रतिवादियों के विरुद्ध किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई नहीं की जाए और पीड़क कार्रवाई करने से पहले कोर्ट की अनुमति ली जाए। दरअसलआर एस एजुकेशन की ओर से याचिका दायर की गई है जिसमें कहा गया है कि आरआरडीए ने उनके नक्शा को अवैध करार देते हुए नोटिस जारी किया था और कहा था कि अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाए। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने बहस की।

संपत्ति से जुड़े प्रोबेट एंड लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन के लिए दायर की जाने वाली सूट से संबंधित 10% शुल्क अवैध करार

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक एवं न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ ने एक अहम एवं बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने संपत्ति से जुड़े प्रोबेट एंड लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन के लिए दायर की जाने वाली सूट से संबंधित 10% शुल्क को अवैध कर दिया है। अदालत ने विवेक गौरव की याचिका पर लंबी बहस के बाद यह फैसला सुनाया है।

दरअसल झारखंड में कोर्ट फीस वृद्धि के बाद टाइटल सूट के लिए अधिकतम तीन लाख रुपए एवं प्रोबेट एंड लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन के सूट के 10% शुल्क के रूप में निश्चित हुआ था। ऐसे में अदालत में पाया कि यह शुल्क अवैध और अमान्य है, यह पीड़ितों के लिए एक बड़ा बोझ के रूप में सामने है किसी भी संपत्ति का 10% प्रतिशत एक सूट के लिए शुल्क के रूप में देना कहीं से सही नहीं है। अदालत ने इसे सामान्य सूट (सिविल) के आधार पर अधिकतम तीन लाख रुपए करते हुए याचिका को निष्पादित कर दी।

आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन योजना के दायरे में लाया जायेगा : राधा कृष्ण किशोर

मेट्रो रेज

रांची : 40 हजार झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन योजना के दायरे में लाने पर विचार किया जा रहा है। इन 40 हजार झारखंड आंदोलनकारियों में जो जेल गए हैं वह भी आते हैं और जो जेल नहीं गए हैं वह भी आते हैं। सभी आंदोलनकारी के लिए एक पोर्टल युद्ध स्तर पर तैयार किया जा रहा है। इस पोर्टल में आंदोलनकारियों की विवरणी होगी। जेएपीआईटी इस कार्य का मॉनिटरिंग करेगा। सरकार सबके विकास एवं कल्याण के प्रति संवेदनशील है।

उक्त बातें वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने अशोकनगर स्थित अपने आवासीय परिसर में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो के साथ गंभीर बातचीत करते हुए कहीं। श्री किशोर ने बताया कि झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारी के लिए 100 करोड रुपए की राशि का आवंटन एक छोटे राशि के रूप में फिल वक्त किया जाना है। साथ ही झारखंड आंदोलनकारियों के पुत्र - पुत्री या आश्रितों को दिए जाने वाला 5% क्षैतिज आरक्षण को बढ़ाकर 10% क्षैतिज आरक्षण किया जाएगा। यह कार्य प्रथम चरण का होगा। उन्होंने कहा कि राज्य बनाने वाले झारखंड आंदोलनकारी की योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। झारखंड आंदोलनकारियों के लिए सरकार कुछ करती है तो यह हमारे लिए गौरव का विषय है।

झारखंड आंदोलनकारियों की बातों को रखते हुए श्री महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों की आए दिन बिना किसी मान सम्मान के ही मृत्यु होना राज्य की क्षति के समान है। जीते जी सभी झारखंड आंदोलनकारियों को शीर्ष प्राथमिकता के तौर पर राज्य सरकार राजकीय मान सम्मान, अलग पहचान, आश्रितों एवं बाल बच्चों के लिए रोजी रोजगार एवं नियोजन की गारंटी तथा जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी को सम्मान पेंशन राशि देकर सरकार कृतार्थ करें। झारखंड आंदोलनकारियों को न्याय के साथ सम्मान की आवश्यकता तथा आज समाज में स्वाभिमान से जीने का अधिकार सरकार के द्वारा दिया जाना चाहिए।

मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष इजहार राही ने कहा कि सम्मान पेंशन देने में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए राज्य बनाने में प्रत्येक आंदोलनकारी का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

मत्स्य बीज उत्पादन से जुड़कर आमदनी बढ़ाएं : अमरेन्द्र कुमार

मत्स्य बीज उत्पादकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

रांची: झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के दिशा-निर्देश के आलोक में बुधवार को मत्स्य बीज उत्पादकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेन्द्र कुमार द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में रांची, जमशेदपुर, खूंटी, जामताड़ा तथा पलामू जिले के मत्स्य कृषकों ने भाग लिया। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 बैच में विभिन्न जिलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। निदेशक मत्स्य अमरेन्द्र कुमार ने कहा कि मत्स्य बीज उत्पादन एक मौसमी कार्य है, जिसे अपनाकर किसान स्वरोजगार से जुड़ सकते हैं। प्रशिक्षण के उपरांत स्वनियोजित होने के लिए अनुदान पर मत्स्य स्पॉन, फीड तथा फ्राई कैचिंग नेट के साथ साथ रिचार्ज कूपन भी सरकार के द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं। ब्लाक चेन के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करवा कर अपने जिला मत्स्य पदाधिकारी के द्वारा अनुशंसित कृषक ही इस प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। इस अवसर पर मनोज कुमार ठाकुर, (उप मत्स्य निदेशक), संजय कुमार गुप्ता, (उप मत्स्य निदेशक) सहित विभिन्न जिलों से आए कृषक उपस्थित थे। मौके पर मत्स्य बीज उत्पादक विनोद तिग्गा, लाजरूस एक्का, प्रगतिशील मत्स्य बीज उत्पादकों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया।

उक्त जानकारी मत्स्य निदेशालय के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

ऑपरेशन एनडीए ,सरकार लाओ, झारखंड बचाओ के संकल्प के साथ तेज हुई राजनीतिक सक्रियता

मेट्रो रेज

रांची / हजारीबाग / नई दिल्ली: हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर), झारखंड द्वारा एनडीए की सरकार लाओ, झारखंड बचाओ के सशक्त संकल्प के साथ प्रदेश में एक नई राजनीतिक ऊर्जा और जनआंदोलन का विस्तार होता दिखाई दे रहा है। पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री हरे कृष्ण महाराज के नेतृत्व में संगठन निरंतर जनसरोकार, सामाजिक समरसता और विकास के मुद्दों को लेकर सक्रियता के साथ आगे बढ़ रहा है।

गौरतलब है कि 18 जनवरी 2026 को पटना में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन जी के समक्ष सदस्यता ग्रहण करने के बाद से ही श्री हरे कृष्ण महाराज ने झारखंड की राजनीति में अपनी सशक्त और प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है।

इसके उपरांत 25 जनवरी 2026 को रांची के अमलताश, अशोक नगर में आयोजित भव्य सदस्यता अभियान के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) झारखंड में एनडीए की सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी क्रम में आयोजित होली मिलन समारोह में उन्होंने देशप्रेम, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया, वहीं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति को सम्मानित कर समाज में महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया।

भारतीय वायु सेना से सेवा निवृत्त श्री हरे कृष्ण महाराज अपने फौजी अनुशासन और समर्पण के साथ राजनीति में भी निरंतर सक्रिय हैं। हाल ही में हजारीबाग में आयोजित दावत-ए-इफ्तार में उनकी सहभागिता ने कौमी एकता और गंगा-जमुनी तहजीब का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया। हजारीबाग में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि रामनवमी, रमजान और होली जैसे सभी पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सम्मान के साथ मनाए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में अनावश्यक विवादित बयानों को नजरअंदाज कर विकास और जनहित के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना ही समय की मांग है।

वर्तमान में अपने दिल्ली प्रवास के दौरान श्री हरे कृष्ण महाराज ने पार्टी के संस्थापक, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि मंत्री जी का स्नेह और मार्गदर्शन उन्हें और अधिक ऊर्जा एवं संकल्प के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। श्री महाराज ने जानकारी दी कि हाल ही में मंत्री जी से भेंट कर झारखंड की आगामी राजनीतिक रणनीति, रामनवमी के भव्य आयोजन, युवा वर्ग के विकास तथा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) झारखंड में युवाओं, महिलाओं, किसानों और सभी वर्गों को साथ लेकर सकारात्मक, विकासोन्मुख और समावेशी राजनीति की एक नई दिशा स्थापित करेगा।

प्रकृति और मानव के बीच गहरे रिश्ते का जीवंत प्रतीक है सरहुल

विजय शंकर नायक

झारखंड की धरती पर जब साल वृक्षों की डालियों पर नई कोपलें फूटती हैं, जब जंगलों में हरियाली का नवजीवन उमड़ता है, तब आदिवासी समाज पूरे उल्लास के साथ सरहुल पर्व का स्वागत करता है। सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह प्रकृति और मानव के बीच गहरे रिश्ते का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन का वास्तविक आधार प्रकृति है और उसकी रक्षा करना ही हमारे अस्तित्व की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

सरहुल का अर्थ और महत्व: सरहुल शब्द दो भागों से मिलकर बना है– सर अर्थात साल वृक्ष और हुल अर्थात पूजा या उत्सव। यानी यह साल वृक्ष की पूजा का पर्व है। झारखंड के आदिवासी समुदाय, विशेषकर उरांव, मुंडा और हो जनजाति, इस पर्व को अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाते हैं। सरहुल प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का अवसर है, जिसमें धरती माता, जंगल, जल, हवा और जीव-जंतुओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है।

यह पर्व इस बात का भी प्रतीक है कि मानव और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहना चाहिए। जब हम प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हैं, तभी जीवन सुखमय और समृद्ध बनता है।

सरहुल का धार्मिक और सांस्कृतिक पक्ष: सरहुल का पर्व आदिवासी समाज के धार्मिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दिन पाहन (गांव का पुजारी) गांव के सरना स्थल पर जाकर पूजा करता है। सरना स्थल वह पवित्र स्थान होता है, जहां साल वृक्षों के बीच देवताओं का वास माना जाता है।

पाहन भगवान से अच्छी फसल, वर्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना करता है। पूजा के दौरान मुर्गा, हंडिया (चावल से बनी पारंपरिक शराब) और अन्य पारंपरिक वस्तुएं चढ़ाई जाती हैं। इसके बाद पूरे गांव में प्रसाद वितरित किया जाता है। यह पूजा केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं है, बल्कि यह समाज की एकता और सामूहिकता का प्रतीक भी है। सभी लोग एक साथ मिलकर पूजा करते हैं, जिससे सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं।

प्रकृति के साथ गहरा संबंध

सरहुल हमें यह सिखाता है कि प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि हमारी जीवनदायिनी शक्ति है। आज के आधुनिक युग में जहां लोग प्रकृति का अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं, वहीं सरहुल जैसे पर्व हमें चेतावनी देते हैं कि यदि हमने प्रकृति का सम्मान नहीं किया, तो इसका परिणाम विनाशकारी होगा।

साल वृक्ष को विशेष महत्व दिया जाता है क्योंकि यह झारखंड के जंगलों का प्रमुख वृक्ष है। इसके फूलों को पवित्र माना जाता है और इन्हें घरों में सजाया जाता है। यह प्रकृति के नवजीवन और पुनर्जन्म का प्रतीक है।

सामाजिक एकता और भाईचारे का पर्व: सरहुल केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक मेल-जोल का भी पर्व है। इस दिन लोग नए कपड़े पहनते हैं, नाच-गान करते हैं और एक-दूसरे के घर जाकर बधाई देते हैं।

गांवों में अखाड़ा सजाया जाता है, जहां पारंपरिक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए जाते हैं। महिलाएं और पुरुष मिलकर झूमर और डोमकच जैसे लोकनृत्य करते हैं। मांदर और नगाड़े की धुन पर पूरा वातावरण उत्सवमय हो जाता है।

यह पर्व जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव को समाप्त कर सभी को एक मंच पर लाता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश: आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब सरहुल का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि यदि हम प्रकृति को बचाएंगे, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीता आया है। उन्होंने कभी भी प्रकृति का शोषण नहीं किया, बल्कि उसे पूजनीय माना। यही कारण है कि उनके जीवन में पर्यावरणीय संतुलन बना रहा। सरहुल के माध्यम से हमें यह सीखने की जरूरत है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

आधुनिक समय में सरहुल की प्रासंगिकता: आज के दौर में, जब लोग अपनी जड़ों से कटते जा रहे हैं, सरहुल जैसे पर्व हमें हमारी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं। यह हमें हमारी पहचान का अहसास कराते हैं।

शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के कारण कई परंपराएं धीरे-धीरे समाप्त हो रही हैं, लेकिन सरहुल आज भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह इस बात का प्रमाण है कि आदिवासी समाज अपनी संस्कृति को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमें भी इस परंपरा को समझने और सम्मान देने की आवश्यकता है। यह केवल एक समुदाय का त्योहार नहीं, बल्कि यह पूरे मानव समाज के लिए एक प्रेरणा है।

महिलाओं की भूमिका: सरहुल पर्व में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे इस पर्व की तैयारियों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। घर की साफ-सफाई, भोजन की व्यवस्था और पारंपरिक परिधानों की तैयारी में उनका योगदान अहम होता है।

नृत्य और गीतों में भी महिलाएं: बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उनके बिना यह उत्सव अधूरा लगता है। यह पर्व महिलाओं के सम्मान और उनकी भागीदारी का भी प्रतीक है।

आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव

सरहुल का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस दौरान बाजारों में रौनक बढ़ जाती है। पारंपरिक वस्त्र, आभूषण और खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है।

इसके साथ ही यह पर्व पर्यटन को भी बढ़ावा देता है। बाहर से आने वाले लोग इस उत्सव को देखने के लिए झारखंड आते हैं, जिससे राज्य की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलती है।

सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक शैली है। यह हमें सिखाता है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर ही हम सच्चे अर्थों में खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

आज जब दुनिया विकास की अंधी दौड़ में लगी हुई है, तब सरहुल हमें रुककर सोचने का मौका देता है कि क्या हम सही दिशा में जा रहे हैं? क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण छोड़ पाएंगे?सरहुल का संदेश स्पष्ट है–प्रकृति का सम्मान करो, उसे बचाओ और उसके साथ मिलकर जीवन जीओ। यही हमारे अस्तित्व की कुंजी है।

अंततः, सरहुल हमें यह सिखाता है कि सच्ची समृद्धि केवल भौतिक साधनों में नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित और सामंजस्यपूर्ण जीवन में है। यह पर्व हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और हमें एक बेहतर भविष्य की ओर प्रेरित करता है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग
executiveengineerirri@gmail.com

पत्रांकः– 220 हजारीबाग/दिनांकः– 16.03.2026

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक 153 दिनांक 28.02.2026 के द्वारा निर्गत ई – निविदा आमंत्रण सूचना संख्या DMFT/MID/HAZARIBAG/F2-38/2025-26 पी0आर0न0– 373869 Minor Irrigation (25-26):D द्वारा प्रकाशित निविदा अपरिहार्य कारण वश अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

PR 375466 Minor Irrigation(25-26).D

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल,हजारीबाग

JHARKHAND RENEWABLE ENERGY DEVELOPMENT AGENCY (JREDA)
3rd Floor, SLDC Building, Kusai, Doranda, Ranchi- 834002.
Ph. No: 2491161,Fax No: 0651-2491165
Web site: www.jreda.com, E-mail: info@jreda.com

Notice Inviting Bid

Tender Reference No.: 16/JREDA/Vehicles/25-26 Dated: 18.03.2026

Jharkhand Renewable Energy Development Agency (JREDA) is an autonomous body registered under the Society Act, 1860, under the administrative control of the Department of Energy, Govt. of Jharkhand, for promoting the use of renewable energy sources and having its registered office at Kusai colony, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002. JREDA requires vehicles on a hire basis for official use as well as site visits in the state of Jharkhand.

Sealed bids are invited from financially sound suppliers/firms/agencies having experience in a similar nature of work for the following:

Name of the work	Earnest Money Deposit (Refundable) (In Rs.)	Cost of Tender DocumentNon-refundable (In Rs.)	Last date and time forsubmission of tender	Date and time for opening the tender
Supply of light motor vehicles on a hire basis for office work to JREDA.	Rs. 20,000.00	Rs. 1475.00	10.04.2026 (Friday) up to 5.00 PM	13.04.2026 (Monday) at 2.00 PM

Terms & conditions:
1. Tender documents can be purchased from the office of the undersigned during office hours on any working day till the day before submission of the tender after depositing the cost of the tender document (Non-refundable) in the shape of a Bank Draft in favour of the Director, JREDA, payable at Ranchi. The tender document can also be downloaded from the JREDA Website (www.jreda.com). In that case, the cost of the document in the form of DD is to be enclosed with the technical part of the bid.
2. No postal request for the issue of the Tender document will be entertained.
3. The tender must be accompanied by the Earnest Money Deposit (refundable) in the shape of a Bank Guarantee or a Demand Draft issued by any Indian nationalized/scheduled bank in favour of the Director, JREDA, payable at Ranchi. Proof of EMD must be attached to the tender documents; otherwise, the tender will be rejected without assigning any reason thereof.
4. The undersigned reserves the right to issue the tender document /extend the date of sale/submission of tender/opening of tender and cancellation of tender without assigning any reason thereof.

Sd/-
Director,
JREDA, Ranchi

PR 375532 (Energy) 25-26 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

यूसीसी : समान नागरिक संहिता की गलत व्याख्या करते ओवैसी

भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। हाल ही में मुस्लिम महिलाओं के हक पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- ह्लअब समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ गया है।ह्व के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूसीसी का विरोध करते हुए कई बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि ह्लयूसीसी के नाम पर हिंदू कानून मुसलमानों पर लागू नहीं किया जा सकताह्व और ह्लइस्लाम में शादी महज एक कॉन्ट्रैक्ट है, यह जन्म-जन्म का बंधन नहीं है। यह जिम्मेदारी नहीं है।ह्वनिकाह हमारे के लिए धार्मिक संस्कार नहीं है। अब सवाल यह है कि क्या यूसीसी वास्तव में किसी धर्म को निशाना बनाने की कोशिश है या फिर यह संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को लागू करने की दिशा में एक कदम है? वैश्विक परिदृश्य पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में समान नागरिक कानून पहले से लागू है। ऐसे में ओवैसी का ये विरोध साफ बता रहा है कि वह देश में इस्लाम के नाम पर अपने लिए वे एक विशेष अधिकार चाहते हैं, वह देश की जनसंख्या में 20 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने के बाद भी अल्पसंख्यक बने रहना चाहते हैं और उसमें भी वे रिलीजन के नाम पर अलग स्वतंत्रता चाहते हैं। यहां सीधे तौर पर यहां स्पष्ट होता है कि उन्हें देश की समानता से कोई मतलब नहीं है! इसलिए वे यह भी कह रहे हैं कि यदि हिंदू विवाह कानून को आधार बनाकर यूसीसी लागू किया गया तो वह मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन होगा। ओवैसी इतना कहने के बाद भी नहीं रुकते हैं, इसके अलावा भी वे बहुत कुछ कहते हैं। देखा जाए तो पहली नजर में ये बातें धार्मिक स्वतंत्रता की चिंता के रूप में सामने आती हैं, लेकिन गहराई से देखने पर यह तर्क कई स्तरों पर सवालों के घेरे में आ जाता है। ओवैसी का सबसे बड़ा तर्क यह है कि यूसीसी के नाम पर ह्लहिंदू कानूनह्व मुसलमानों पर लागू किया जाएगा, लेकिन यह तर्क स्वयं ही गलत आधार पर खड़ा है। समान नागरिक संहिता का अर्थ किसी एक धर्म के कानून को दूसरे धर्म पर थोपना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है; एक ऐसा नागरिक कानून जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू हो, चाहे उनका धर्म कोई भी हो। इसमें विवाह, तलाक, गोद लेना, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे मामलों में समान नियम लागू होते हैं। आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस व्यवस्था को समानता और लैंगिक न्याय को मजबूत करने का माध्यम माना जाता है। यदि वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देशों में किसी न किसी रूप में समान नागरिक कानून लागू है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनिया में लगभग 193 देश हैं और इनमें से बड़ी संख्या में विवाह, तलाक और संपत्ति के मामलों में धर्म आधारित अलग-अलग कानून नहीं हैं। उदाहरण के लिए फ्रांस, जर्मनी, इटली, सपेन, पुर्तगाल, जापान, स्विट्जरलैंड, ब्राजील, रूस, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों में एक ही सिविल कोड सभी नागरिकों पर लागू होता है। फ्रांस में तो इसे 1804 में ही लागू कर दिया था, नेपोलियन सिविल कोड आधुनिक सिविल कानून की नींव के चलते आगे इसके कारण से यूरोप और लैटिन अमेरिका के कई देशों की कानूनी व्यवस्था प्रभावित हुई। इन देशों में विवाह केवल सिविल प्रक्रिया के माध्यम से ही मान्य होता है और तलाक तथा संपत्ति के अधिकार भी एक समान कानून से नियंत्रित होते हैं। यही कारण है कि आधुनिक लोकतांत्रिक देशों में धर्म और कानून को अलग रखने की प्रवृत्ति अधिक मजबूत दिखाई देती है। प्रश्न यह है कि यदि दुनिया के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में नागरिक कानूनों को धर्म से अलग रखा गया है और सभी नागरिकों पर ये समान रूप से लागू होते हैं। वहां यदि इन समान कानूनों को लोकतंत्र और आधुनिकता का प्रतीक माना जाता है, तब भारत में इसे ह्लधर्म पर हमलाह्व बताना कितना तर्कसंगत है? ऐसे में कहना यही होगा कि ओवैसी के बयान देखने में भले ही कानूनी तर्क की बात धार्मिक पहचान के आधार पर करता हुआ दिखाई दे, लेकिन यह सीधे तौर पर राजनीति है। जब वे कहते हैं कि ह्लमुझे अपने धर्म के मुताबिक चलना चाहिएह्व, तो यह तर्क व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता की बात तो करता है, लेकिन यह भी सवाल उठाता है कि क्या नागरिक कानून केवल धार्मिक पहचान के आधार पर तय होना चाहिए? अवैसी ये कैसे भूल सकते हैं कि भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है, यहां कानून का आधार नागरिकता है, न कि धर्म? अगर हर समुदाय अपने-अपने धार्मिक कानूनों के अनुसार अलग कानूनी व्यवस्था की मांग करेंगे तब फिर देश में समानता का संवैधानिक सिद्धांत कहां रह जाता है? यही कारण है कि संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांतों में अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही गई है। संविधान निमार्ताओं का मानना था कि एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य में नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि दुनिया के कई मुस्लिम-बहुल देशों में भी पारिवारिक कानून में बड़े सुधार हुए हैं। उदाहरण के लिए तुर्की ने 1926 में आधुनिक नागरिक कानून अपनाया और शरिया अदालतों को समाप्त कर दिया। इसी तरह ट्यूनीशिया ने 1956 में पर्सनल स्टेटस कोड लागू किया, जिसके तहत बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाया गया और महिलाओं को अधिक अधिकार दिए गए। इस प्रकार वैश्विक अनुभव यह बताता है कि समान नागरिक संहिता की अवधारणा मुख्य रूप से आधुनिक राष्ट्र-राज्य की उस सोच से जुड़ी है जिसमें नागरिकों को धर्म के आधार पर अलग-अलग कानूनों के बजाय एक समान कानूनी ढाँचे के अंतर्गत रखा जाता है। समान नागरिक कानून को सामान्यतः नागरिक समानता, लैंगिक न्याय और आधुनिक कानूनी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है, इसलिए औवेसी का यह कहना कि यूसीसी का विचार किसी धर्म के खिलाफ है, पूरी तरह सही नहीं लगता है। यूसीसी के समर्थन का एक बड़ा तर्क महिलाओं के अधिकारों से भी जुड़ा है। अलग-अलग पर्सनल लॉ के कारण कई बार महिलाओं को समान अधिकार नहीं मिल पाते। मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों पर कई बार अदालतों में बहस हो चुकी है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में यूसीसी पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। अगर एक समान कानून लागू होता है तो इससे महिलाओं को विवाह, तलाक और संपत्ति के मामलों में अधिक समान अधिकार मिल सकते हैं। इसी संदर्भ में अक्सर गोवा और उत्तराखण्ड का उदाहरण दिया जाता है, जहां गोवा एवं उत्तराखण्ड सिविल कोड सभी समुदायों पर लगभग समान रूप से लागू होता है, जोकि यह दिखाता है कि भारत में भी समान नागरिक कानून का मॉडल संभव है। देश में यूसीसी को न्याय, समानता और आधुनिक कानूनी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लागू किया जाना है, इसलिए इसे लागू होना ही चाहिए।

परछाईयां: साहिर लुधियानवी की सृजन स्थली

जहां मशहूर शायर साहिर लुधियानवी ने अपने जीवन का लंबा और रचनात्मक समय बिताया। उस घर का नाम है—परछाईयां। रास्ते में कई लोगों से पूछते हैं। कोई कंधे उचकाकर कहता है—ह्लपता नहीं।ह्व कोई मुस्कराकर आगे बढ़ जाता है। लेकिन जिद है उस घर को देखने की, जहां साहिर ने अनेक कालजयी गीत और गजलें लिखीं। दीवारों को छूने की, उन कमरों की हवा में सांस लेने की।

विवेक शुक्ला

मुंबई कभी रुकती नहीं। यह शहर मानो समय की धड़कन पर दौड़ता रहता है—दिन-रात, बिना ठहरे, बिना थके। सड़कों पर भागती कारें, देर रात तक जगती रोशनियां और काम में डूबे लोग इस शहर की पहचान हैं। लेकिन जब आप जूहू की तरफ मुड़ते हैं और अरब सागर के किनारे पहुँचते हैं, तो अचानक सब कुछ बदल जाता है। शहर का शोर पीछे छूट जाता है। हवा में एक धीमी नमी है और लहरें एक अनवरत संगीत रचती रहती हैं। इसी शांत इलाके में छिपा है वह घर, जहां मशहूर शायर साहिर लुधियानवी ने अपने जीवन का लंबा और रचनात्मक समय बिताया। उस घर का नाम है—परछाईयां। रास्ते में कई लोगों से पूछते हैं। कोई कंधे उचकाकर कहता है—ह्लपता नहीं।ह्व कोई मुस्कराकर आगे बढ़ जाता है। लेकिन जिद है उस घर को देखने की, जहां साहिर ने अनेक कालजयी गीत और गजलें लिखीं। दीवारों को छूने की, उन कमरों की हवा में सांस लेने की। चलते रहते हैं, गलियों से गुजरते हैं। और अजीब संयोग—जैसे ही पूछना छोड़ देते हैं, रास्ता खुद खुल जाता है। अचानक एक बड़े, सलेटी रंग के शांत बंगले की नेमप्लेट पर नजर ठहर जाती है। काले अक्षरों में रोमन लिपि में लिखा

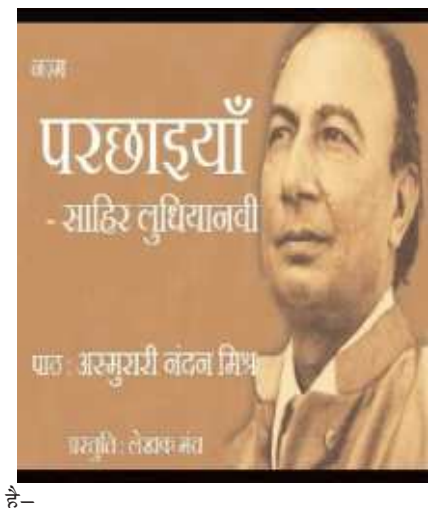

है—

अर्थात साये। यह नाम पढ़ते ही साहिर की कई पंक्तियाँ जेहन में उभर आती हैं। उनकी शायरी में गहरी उदासी थी, पर वह उदासी निराशा नहीं, बल्कि संवेदना की रोशनी थी। यह बंगला लगभग पांच सौ वर्ग गज में फैला है। मुंबई में रहने वाले वास्तु विशेषज्ञ डॉ जे.पी. शर्मा. लालधागेवाले साहिर साहब के बंगले को गुजरे कई दशकों को देख रहे हैं। वे बताते हैं कि ह्ल इसकी बालकनियों से कभी अरब सागर साफ दिखता होगा। ऊपर की मंज़िलों में साहिर अपनी मां के साथ रहते थे। शाम ढलती, समुद्र से ठंडी हवा आती और कमरों में किताबों, कागजों और स्याही की हल्की गंध फैल जाती। यही वह जगह थी जहां रातें जागती थीं और शब्द धीरे-धीरे कविता का रूप ले लेते थे। इस घर के दरवाजे दोस्तों के लिए हमेशा खुले रहते थे। फिल्मकार, संगीतकार, कवि और शायर यहां आया करते। कोई धुन गुनगुनाता, कोई राजनीति पर बहस छेड़ देता, तो कोई नई कविता सुनाता। साहिर चुपचाप सुनते, फिर अचानक एक पंक्ति कहते—और कमरे में सन्नाटा छा जाता, क्योंकि वह पंक्ति सीधे दिल में उतरती थी। इसी माहौल में कई अमर फिल्मी गीत जन्मे। जैसे ₹उड़ें जब-जब जुल्फें तेरी₹ (फिल्म: नौटंकी), जो प्रेम की मस्ती को बयां करता है, या ₹तुमसा नहीं देखा₹ (फिल्म: तुमसा नहीं देखा), जिसमें साहिर की रोमांटिक संवेदना झलकती है। उनकी पंक्तियाँ आदर्शों की टूटन, समाज की विडंबना और प्रेम की कोमलता को एक साथ बोलती थीं। उनकी कलम विरोध भी करती थी और इंसानियत की लौ बचाए रखती थी। फिल्म प्यासा के ₹ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है₹ जैसे गीत इसी घर की दीवारों में गूँजे होंगे, जहां सामाजिक अन्याय पर उनकी तीखी टिप्पणियाँ शब्दों में ढलती थीं। या ₹अभी ना जाओ छोड़ कर₹ (फिल्म: हम दोनों), जो प्रेम की उदासी और बेचैनी को इतनी गहराई से व्यक्त करता है कि सुनकर दिल भर आता है।

साहिर का निजी संसार भी इसी घर में बसता था। उन्होंने विवाह नहीं किया। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी मां सरदार बेगम थीं। कहा जाता है कि किसी भी बड़ी चर्चा या निर्णय से पहले वे मां की राय अवश्य सुनते थे। मेहमान बैठे हों, बहस चल रही हो—वे उठकर मां के कमरे में जाते और पूछते, ह्लआप क्या सोचती हैं?ह्व मां के प्रति यह सम्मान उनके व्यक्तित्व की कोमलता को उजागर करता है। जब 1976 में उनकी मां का निधन हुआ, तो साहिर भीतर से खाली हो गए। चार वर्ष बाद, 25 अक्टूबर 1980 को दिल का दौरा पड़ने से उनका जीवन थम गया। साहिर के जाने के बाद ह्लपरछाईयांह्व पर लंबी खामोशी छा गई। कभी जिन कमरों में संगीत और कविता की गूँज रहती थी, वहां सन्नाटा बस गया। विरासत को लेकर विवाद हुए, विशाल लाइब्रेरी बिखर गई। कुछ पांडुलिपियाँ संयोग से मिलीं, जिन्हें चाहने वालों ने सहेज लिया। आज यह बंगला थोड़ा थका हुआ खड़ा है, जैसे समय की धूल उस पर जम गई हो। फिर भी दीवारें उन शब्दों की आहट संभाले हुए हैं। नेमप्लेट पर लिखे ह्लपरछाईयांह्व को छूते हुए लगता है कि सच्ची कविता दीवारों में नहीं, लोगों की स्मृतियों में रहती है। शायद इसलिए यह घर आज भी एक स्मारक की तरह खड़ा है, याद दिलाता हुआ कि एक शायर की सच्ची विरासत उसकी कविताएं और लोगों के दिल होते हैं। और जब शब्द दिल से निकले हों, तो वे मुंबई की भीड़ में भी कभी खोते नहीं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

आपदा में अवसर खोजने की मानसिकता: समाज के लिए एक खतरनाक संकेत

कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाए कि सिलिंडर मिल नहीं रहे, डिलीवरी डेट आगे बढ़ रही है और एजेंसियों पर दबाव बढ़ चुका है। इसके विपरीत केंद्र और राज्य सरकारों ने बार-बार स्पष्ट किया कि देश में कोई वास्तविक कमी नहीं है, परंतु कुछ क्षेत्रों में अचानक बढ़ी मांग और डिमांडझसप्लाई असंतुलन से अस्थायी तनाव अवश्य देखा गया है।

कैलाश चन्द्र

मार्च 2026 के दूसरे सप्ताह से भारत में एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति और बुकिंग से जुड़ी चर्चा अचानक सुर्खियों में आ गई। देश के अनेक हिस्सों से गैस सिलिंडर की कमी, बुकिंग में देरी और डिलीवरी में व्यवधान जैसी खबरें तेजी से फैलने लगीं। सोशल मीडिया पर लोगों की चिंता देखकर यह विषय राष्ट्रीय चर्चा का केंद्र बन गया। कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाए कि सिलिंडर मिल नहीं रहे, डिलीवरी डेट आगे बढ़ रही है और एजेंसियों पर दबाव बढ़ चुका है। इसके विपरीत केंद्र और राज्य सरकारों ने बार-बार स्पष्ट किया कि देश में कोई वास्तविक कमी नहीं है, परंतु कुछ क्षेत्रों में अचानक बढ़ी मांग और डिमांडझसप्लाई असंतुलन से अस्थायी तनाव अवश्य देखा गया है। यही तनाव इस पूरी चर्चा की शुरूआत बना।

इन खबरों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह रहा कि अचानक ऐसी स्थिति क्यों बनी? इसे समझने के लिए एलपीजी बुकिंग और सप्लाई के वास्तविक आंकड़ों को देखना आवश्यक है। मार्च 2026 के आरंभ में रोजाना छढऋ बुकिंग 5.5 मिलियन के औसत स्तर से बढ़कर 7.6 मिलियन तक पहुँच गई। यह लगभग 35झ40 प्रतिशत की उछाल थी, जिसे विशेषज्ञों ने ह्यपैनिक बुकिंगह्व की श्रेणी में रखा। कई शहरों में बुकिंग 2झ3 गुना तक बढ़ गई। एक प्रमुख महानगर में केवल छह दिनों के भीतर 12 लाख से अधिक बुकिंग दर्ज होना इसकी तीव्रता का प्रमाण था। दूसरी ओर सरकार का दावा था कि घरेलू सिलिंडर की डिलीवरी 2झ2.5 दिन के सामान्य समय में ही हो रही है, और राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कोई गंभीर समस्या नहीं है, जिसे कमी कहा जाए। इसका अर्थ यह था कि समस्या व्यापक राष्ट्रीय अभाव की नहीं, बल्कि कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में अचानक मांग बढ़ने और वितरण प्रणाली पर बने अस्थायी दबाव की थी।इस पूरे परिदृश्य के पीछे जो वास्तविक कारण उभरकर सामने आए, वे कई स्तरों पर काम कर रहे थे। पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव था। मध्य-पूर्व में ईरान, इजराइल और अमेरिका के मध्य बढ़ते संघर्ष के कारण स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित हुए। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए जहाजों में देरी, समुद्री बीमा लागत और जोखिम बढ़ने लगे। एलपीजी शिपमेंट का समय बढ़ा, जिससे भारतीय बंदरगाहों पर डिलीवरी शेड्यूल में भी देर हुई।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह था कि भारत आज भी छढऋकी अपनी कुल घरेलू आवश्यकता का लगभग 60झ65% आयात करता है। अर्थात वैश्विक अस्थिरता का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ता तक पहुँच सकता है। बड़े आयातक देशों में तनाव, शिपमेंट विलंब, पोर्ट कंजेशन और बकरिंग समय का बढ़ना, इन सभी का प्रभाव सीधे घरेलू सप्लाई चेन पर पड़ा। इसके अतिरिक्त ट्रकों की कमी, स्थानीय परिवहन में देरी, कुछ क्षेत्रों में सड़क मरम्मत या मौसम अवरोध जैसी घरेलू परिस्थिति ने भी दबाव बढ़ाया।तीसरा कारण मीडिया और सोशल मीडिया के प्रभाव से उत्पन्न ह्यपैनिक बुकिंगह्व रहा। किसी भी संकट में यह मानवीय प्रतिक्रिया आमतौर पर देखी जाती है। जैसे ही कुछ उपभोक्ताओं ने देरी की बात साझा की, लोगों ने एक साथ अतिरिक्त सिलिंडर बुक करना शुरू कर दिया। कई परिवारों ने सुरक्षा कारणों से दो-तीन सिलिंडर अतिरिक्त बुक कर लिए। जबकि सामान्य परिस्थितियों में वे इतनी खपत नहीं करते। इस असामान्य मांग ने वितरण प्रणाली में तात्कालिक तनाव उत्पन्न किया और सामान्य चक्र बिगड़ गया। इन परिस्थितियों को देखते हुए सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने कई त्वरित कदम उठाए। सबसे पहले रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया कि वे अपनी प्रोपेन-ब्यूटेन स्ट्रीम्स को एलपीजी उत्पादन में परिवर्तित करें, ताकि घरेलू बाजार की जरूरतें तुरंत पूरी हों। इस निर्देश से घरेलू एलपीजी उत्पादन लगभग 25% तक बढ़ाने में सफलता मिली। इससे तत्काल राहत मिली और डोमेस्टिक सप्लाई बैलेंस मजबूत हुआ।दूसरा महत्वपूर्ण कदम यह था कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत घरेलू उपभोक्ता को प्राथमिकता देने और ब्लैक मार्केटिंग पर रोक लगाने की कार्रवाई शुरू की गई। वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की जमाखोरी या कृत्रिम कमी की आशंका को खत्म किया गया। तीसरा कदम बुकिंग नियमों में संशोधन का था। पैनिक बुकिंग को रोकने के लिए बुकिंग गैप 25 दिन तक बढ़ाया गया। कुछ रिपोर्टों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में इसे 45 दिन तक भी बढ़ाया गया, जिससे बार-बार अनावश्यक बुकिंग रुक सके। इससे सिस्टम पर दबाव कम हुआ और जिन उपभोक्ताओं को वास्तव में सिलिंडर की जरूरत थी, उन्हें समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

सरकार ने सार्वजनिक रूप से यह भी कहा कि जहां पीएनजी (पाइप्ड नैचरल गैस) उपलब्ध है वहाँ उपभोक्ता अस्थायी रूप से पीएनजी को प्राथमिकता दें, ताकि एलपीजी वितरण पर दबाव संतुलित किया जा सके। इसके साथ-साथ अफवाहों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए प्रेस विज्ञप्तियों, मीडिया ब्रीफिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

इन सभी तात्कालिक उपायों ने संकट के विस्तार को रोका, लेकिन इस स्थिति का प्रभाव विभिन्न वर्गों पर अलग-अलग दिखाई दिया। घरेलू उपभोक्ता, जिनके लिए सरकार प्राथमिकता देती है, उन्हें सामान्यतः 2झ3 दिन की डिलीवरी चक्र में सिलिंडर मिलता रहा। हालांकि कुछ क्षेत्रों में अस्थायी देरी का अनुभव हुआ। दूसरी ओर व्यापारिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं, विशेषकर होटल, रेस्टोरेंट और फूड उद्योग—को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पर प्राथमिकता सीमित थी। कुछ छोटे व्यवसायों और एमएसएसई ने भी गैस की अनिश्चिता के कारण उत्पादन लागत बढ़ने की शिकायत की। इधर-उधर से ब्लैक मार्केटिंग की सूचनाएं भी मिलीं, हालांकि सरकार ने इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रित किया।

इस संकट के बीच कई मिथक भी उभरे, जिनमें प्रमुख था कि देश में गैस खत्म हो गई है। सरकारी आंकड़े और विशेषज्ञ रिपोर्टें इस दावे को स्पष्ट रूप से गलत साबित करती हैं। देश में पर्याप्त स्टॉक मौजूद था, और प्रमुख समस्या सप्लाई अभाव की नहीं बल्कि वितरण तनाव और पैनिक बुकिंग की थी। दूसरा मिथक यह था कि गैस आपूर्ति पूरी तरह रुक गई है, जबकि वास्तविकता यह थी कि देशभर में ट्रकिंग, रीफिलिंग और डिलीवरी कार्य एक सीमित देरी के साथ निरंतर जारी रहा।

इस अनुभव का सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू यह है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा रणनीति अब पहले से अधिक परिपक्व और दीर्घकालिक दिशा में बढ़ रही है। भारत घरेलू एलपीजी उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। आयात पोर्टफोलियो को मध्य-पूर्व पर अत्यधिक निर्भरता से हटाकर अमेरिका जैसे देशों की ओर विविधीकृत किया गया है। हाल ही में किया गया अमेरिका से एलपीजी आयात का दीर्घकालिक अनुबंध इस दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। यह विविधीकरण न केवल कीमतों को स्थिर करेगा, बल्कि भू-राजनीतिक तनावों के प्रभाव को भी काफी हद तक कम करेगा।

साथ ही ढठऋनेटवर्क के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पीएनजी का उपयोग बढ़ने से एलपीजी सिलिंडर पर निर्भरता कम होगी और घरेलू वितरण प्रणाली पर अचानक मांग का दबाव भी भविष्य में घटेगा। इलेक्ट्रिक कुकिंग उपकरणों, इंडक्शन तकनीक और ऊर्जा-कुशल घरेलू समाधानों को भी नीतिगत प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस तरह ऊर्जा सुरक्षा और उपभोक्ता सुविधा दोनों दिशाओं में काम जारी है।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म नवरात्रि त्योहार का विशेष महत्व माना जाता है। चैत्र नवरात्रि की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है और इसका समापन 27 मार्च को होगा। चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्र पर्व शुरू होती है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरुपों की पूजा-अर्चना की जाती है। भक्तजन मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए व्रत रखते हैं और विधिवत रुप से पूजा करते हैं। नवरात्रि के ये नौ दिन न केवल भक्ति के हैं, बल्कि अपने जीवन को नई ऊर्जा और सकारात्मकता से भरने के भी हैं। अगर आप भी नवरात्र के दौरान अपने घर में सुख-समृद्धि चाहते हैं, तो घटस्थापना के मुहूर्त और विधि जानें।

घटस्थापना मुहूर्त

वैदिक पंचांग के मुताबिक चैत्र मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि 18 मार्च 2026 को रात 8 बजकर 14 मिनट

से आरंभ हो रही है और यह 19 मार्च 2026 को रात 9 बजकर 4 मिनट तक रहेगी। चूंकि हिंदू परंपरा में उदयकाल की तिथि को अधिक महत्व दिया जाता है, इसलिए चैत्र नवरात्रि और हिंदू नववर्ष की शुरूआत 19 मार्च 2026 से मानी जाएगी।

- घटस्थापना का सही मुहूर्तः 19 मार्च 2026 को घटस्थापना का मुहूर्त सबसे शुभ समय सूर्योदय के बाद का है।
- शुभ मुहूर्तः सुबह 06:26 से सुबह 07:58 तक।
- अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:05 से दोपहर 12:53 तक।

चैत्र नवरात्र 2026 की तिथियां

19 मार्चः मां शैलपुत्री पूजा और कलश स्थापना
20 मार्चः मां ब्रह्मचारिणी की आराधना
21 मार्चः मां चंद्रघंटा की पूजा
22 मार्चः मां कूष्मांडा का पूजन
23 मार्चः मां स्कंदमाता की उपासना
24 मार्चः मां कात्यायनी की वंदना
25 मार्चः मां कालरात्रि की पूजा
26 मार्चः मां महागौरी (महाअष्टमी व्रत)
27 मार्चः मां सिद्धिदात्री (राम नवमी का महापर्व)

कलश स्थापना के लिए जरुरी सामग्री लिस्ट

कलश स्थापना और माता की पूजा को विधि-विधान से पूरा करने के लिए आवश्यक पूजन सामग्री पहले ही इकट्ठा कर लें, ताकि पूजा के दौरान किसी भी तरह की रुकावट न हो और साधना बिना किसी बाधा के संपन्न हो जाए।

- चौकी और आसन- सबसे पहले मां की प्रतिमा स्थापित करने के लिए लकड़ी चौकी और उस पर बिछाने के लिए साफ लाल कपड़ा।
- कलश की सामग्री- मिट्टी, तांबे या पीतल का कलश, शुद्ध जल, गंगाजल, कलाला, आम या अशोक के पत्ते और एक जटा वाला नारियल।
- कलश के लिए चुनरी- नारियल के लपेटने के लिए एक छोटी लाल चुनरी
- अक्षत व रोली- पूजा में प्रयोग के लिए साबुत चावल (अक्षत), रोली, सिंदूर तथा चंदन अवश्य रखें।
- दीपक और धूप- आरती के लिए देसी घी का दीपक, लंबी बाती, कपूर, धूपबत्ती और माचिस।
- जौ बोने की सामग्री- मिट्टी का एक चौड़ा पात्र, साफ मिट्टी और जौ।

टिप्स

शरीर बन जाएगा 'खून की Factory',

अक्सर शरीर में खून की कमी के कारण थकान और कमजोरी महसूस होती है। क्या आपके शरीर में खून की कमी है? खून की कमी के कारण व्यक्ति को बार-बार चिड़चिड़ापन और कमजोरी महसूस होती होती है। इस दौरान बालों को झड़ना और चेहरे पीला दिखने लगा है, तो आपको जल्द से ही अपने डाइट में इन फूड्स को एड ऑन कर लें। यह फूड्स शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में मदद करते हैं। आइए आपको बताते हैं अपने आहार में कौन-सी चीजें हासिल करें।

सहजन की पत्तियां : सहजन को मोरिंगा के नाम से भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों को सुपरफूड कहा जाता है। इसमें संतरे से ज्यादा विटामिन सी और दूध से अधिक कैल्शियम पाया जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। मोरिंगा की पत्तियों का साग, परांठा या सूप बनाकर पिएं। यह हीमोग्लोबिन बढ़ाने की सबसे तेज तरीका है।

चुकंदर : लाल रंग का यह सब्जी खून की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें आयरन, फोलिक एसिड और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। रोजाना एक गिलास चुकंदर का जूस पीने या इसे सलाद में शामिल करने से शरीर में नए रेड ब्लड सेल्स (फ्इउ) बनने की प्रक्रिया तेज होती है और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

सफेद तिल : सफेद तिल के बीजों में भरपूर आयरन पाया जाता है। एक चम्मच सफेद तिल खाने से शरीर को आयरन और जिंक प्राप्त होता है। इसको आप सलाद पर छिड़ककर, लड्डू बनाकर या चाटनी के तौर पर खा सकते हैं।

अनार : अनार पोषक तत्वों से भरपूर फल है, इसमें आयरन के साथ-साथ विटामिन उ भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। एक्सपर्ट के अनुसार शरीर आयरन को सही तरीके से अवशोषित तभी कर पाता है जब उसे विटामिन उ भी मिले। अनार में ये दोनों पोषक तत्व एक साथ मौजूद होते हैं, इसलिए इसे खून बढ़ाने के लिए बेहद लाभकारी फल माना जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

रामनवमी व ईद को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

साहिबगंज/बरहरवा : रामनवमी व ईद को लेकर बुधवार को बरहरवा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेवाल, बरहरवा नगर पंचायत की अध्यक्षा अर्पिता दास,नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास,अंचलधिकारी अनुज कुमार व थाना प्रभारी सुमित कुमार उपस्थित थे।बैठक मे एसडीपीओ नितिन खंडेवाल से लोगो से रामनवामी व ईद का त्योहार शांतिपूर्ण माहौल मे मनाने का अपील किया साथ ही कहा की ईद मे जहाँ जहाँ नमाज अदा की जाती है। सभी मस्जिदों व ईदगाहो मे आवश्यकता के अनुसार पुलिस फोर्स कों तैनात किया जायेगा।इस दौरान उन्होंने ये भी कहा की पर्व के दौरान सोशल मिडिया पर भी पुलिस की कड़ी नजर रहेगी. किसी भी प्रकार की लापरवाही करने वाले पर कड़ी कार्यवाई की जाएगी।मौके पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,नगर पंचायत के उपाध्यक्ष राजकुमार भगत,अशोक गुप्ता,ललिता देवी,आश्विनी कुमार आनंद,मो इकबाल,मनोहर लाल चौहान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बंद पड़ी एक्स-रे मशीन, नगर अध्यक्षा ने लिखा पत्र

साहिबगंज/बरहरवा : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चरमराई स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति और भी चिंताजनक और दयनीय होती जा रही है।जिसका खामियाजा स्थानीय गरीब और असहाय लोगों की भूकतना पड़ रहा है।नई परेशानी ये है कि एक्स-रे मशीन पिछले कई महीनों से बंद पड़ी है.जिससे आम लोगों को इलाज व एक्स-रे कराने के लिए बाहर के निजी केंद्रों या दूसरे शहरों का सहारा लेना पड़ रहा है.इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए बरहरवा नगर पंचायत बरहरवा की नवनिर्वाचित अध्यक्ष अर्पिता दास ने सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान को पत्र लिखकर तत्काल समाधान की मांग की है.उन्होंने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि एक्स-रे मशीन टेक्नीशियन के अभाव में काम नहीं कर रही है. जिससे मरीजों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.पत्र के माध्यम से उन्होंने विभाग से आग्रह किया है कि जल्द से जल्द टेक्नीशियन की नियुक्ति कर एक्स-रे सेवा को पुनः शुरू कराया जाएं .ताकि स्थानीय लोगों को समय पर जांच सुविधा मिल सके.इधर स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में इस तरह की बुनियादी सुविधा का बंद रहना व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है.जब मशीन का विस्थापन हुआ था।यो लोगों में उम्मीद जगी थी कि अब परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी लेकिन मशीन तो आई लेकिन किसी काम की नहीं।जैसे गाड़ी है लेकिन पहिया नहीं ठीक वैसी स्थिति बनी हुई है।अब देखना ये है कि इस पर क्या कार्यवाही या कदम उठाए जाते है।

राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ का सम्मेलन सम्पन्न

साहिबगंज : प्रदेश स्तरीय राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ का सम्मेलन एवं चुनाव रांची स्थित दी रॉयल गार्डन में आयोजित किया गया।इस अवसर पर विभिन्न जिलों के अभिकताओं ने भाग लिया और संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई।सम्मेलन में साहिबगंज जिला संगठन को उत्कृष्ट संगठनात्मक कार्य के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।वहीं, जिला अध्यक्ष चंदन कुमार रमानी को जिले में संतुलित एवं प्रभावी संगठन संचालन के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया।मंच से पुरस्कार ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं,बल्कि पूरे साहिबगंज जिले के अभिकताओं की एकजुटता और संगठन के प्रति विश्वास का परिणाम है। उन्होंने भरोसा जताया कि अगली बार साहिबगंज प्रथम स्थान हासिल करने का प्रयास करेगा।कार्यक्रम के दौरान संघ की ओर से यूपीएससी में छठा रैंक प्राप्त करने वाले अविनाश वर्मा के माता-पिता पूनम वर्मा एवं रवि वर्मा को भी सम्मानित किया गया।उल्लेखनीय है कि दोनों डाकघर के अभिकर्ता हैं जिससे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में विशेष उत्साह देखा गया।सम्मेलन में साहिबगंज से नंदकिशोर दास,प्रमोद कुशवाहा,रेणु रानी,राकेश तिवारी,रवि वर्मा,पूनम वर्मा,बृजमोहन केशरी,उत्तम कुमार चांद,मुकेश कुमार गुप्ता,राम प्रसाद रक्षित,कार्तिक महतो सहित करीब 45 अभिकताओं ने भाग लिया।

गलत इंजेक्शन लगाए जाने के कारण गुल्लीभट्ठा निवासी महिला की हुई मौत

साहिबगंज : शहर के एलसी रोड स्थित नेशनल मेडिकल में बुधवार के दोपहर नगर थाना क्षेत्र के गुल्ली भट्ठा निवासी महिला वीणा देवी उम्र 50 वर्ष पति राजाराम पासवान अपना इलाज करवाने के लिए गई हुई थी जहां नेशनल मेडिकल के द्वारा उक्त महिला को एक एंटीबायोटिक इंजेक्शन दे दिया गया जिसके तुरंत बाद ही उसकी हालत बिगड़ने लगी और उसकी मौत मौके पर ही हो गई।उधर मामला बिगड़ता देख नेशनल मेडिकल के फार्मासिस्ट मो. गुड्डन ने महिला के परिजनों को फौरन बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल भेज दिया जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ प्रशांत कुमार ने इलाज करते हुए उक्त महिला वीणा देवी को मृत घोषित कर दिया।वही सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ प्रशांत कुमार ने मामले में पुष्टि करते हुए बताया कि महिला की मौत गलत इंजेक्शन लगाए जाने के कारण हुई है। उधर परिजनों ने मामले की जानकारी तुरंत नगर थाना क्षेत्र की पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने मृतक महिला के शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई।उधर पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

पंचांग के अनुसार हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष की शुरूआत होती है

संवाददाता

साहिबगंज : ईसा पूर्व 46 में रोमन सम्राट जूलियस सीजर ने कैलेंडर में सुधार करते हुए जनवरी महीने को साल का पहला महीना घोषित किया। बाद में 1582 में पोप ग्रेगरी क्क्क्क ने इसमें और सुधार कर ग्रेगोरियन कैलेंडर लागू किया। जिसे आज हम आधुनिक कैलेंडर के रूप में जानते हैं। तभी से 1 जनवरी को विश्वभर में नव वर्ष के रूप में मनाया जाने लगा। हिन्दू नव वर्ष 2026 विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ 19 मार्च, गुरुवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से हो रहा है। इसे 'रौद्र' संवत्सर कहा जाएगा। इस दिन से चैत्र नवरात्र और घटस्थापना की शुरूआत होगी। इसे गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप

में भी मनाया जाता है। इस वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति और मंत्री मंगल देव होंगे जो देश के लिए शुभ संकेत माने जा रहे हैं।नव वर्ष के शुभ मुहूर्त और मुख्य बिंदु तिथि 19 मार्च 2026, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा।विक्रम संवत 2083 अंग्रेजी कैलेंडर से 57 साल आगे । घटस्थापना कलश स्थापना मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त - दोपहर 12:11 से 12:58 बजे तक। अन्य शुभ समयः सुबह 06:54 से 08:06 बजे।सांस्कृतिक महत्वः यह दिन वसंत ऋतु के आगमन, प्रकृति के नवजीवन और ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। कैसे मनाएं परंपराएं नीम का सेवन इस दिन सुबह खाली पेट नीम की कोपलों का सेवन चर्म रोगों से रक्षा के लिए किया जाता है।घर की सजावट लोग घर के बाहर गुड़ी ध्वज लगाते हैं।और द्वारों को आम के पत्तों से सजाते हैं। पूजा-पाठः कलश स्थापना कर माता दुर्गा की आराधना और पूजा-अर्चना की जाती है।नए कार्य इस दिन से नए व्यवसाय, योजनाएं या जीवन में सकारात्मक संकल्प लेने की परंपरा है। यह न्ाव वर्ष नई ऊर्जा सकारात्मकता और विकास का संदेश लेकर आता है। आप सभी को हिन्दू नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा शहर के सकरूगढ़ चैती दुर्गा मंदिर, रसूलपुर दहला चैती दुर्गा मंदिर, जीरवाबाड़ी तुरी टोला चैती दुर्गा मंदिर चौक बाजार दुर्गा मंदिर सहित दुर्गा मंदिरों व घरों में वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से कलश स्थापना करके पूजा पाठ किया जा रहा है। इससे पूर्व मंदिरों से कलश यात्रा ढोल बाजा के साथ निकाली गई, जो स्थानीय गंगा तट पहुंचकर कलश में जल भरकर मंदिर पहुंचकर समाप्त हुआ। वैदिक मंत्रोचारण ओर मां दुर्गा के भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है।

जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया जाएगा, बिजली संकट होगा दूर

संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड के लाल बथानी तीनघारिया मंसूर टोला में 08 दिन से व्याप्त बिजली संकट अब दूर हो गया युवा कांग्रेस राजमहल विधनसभा अध्यक्ष कौसर आलम आलम की पहल से गांव में 25 केवी का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया।गौरतलब है कि लालबथानी तीनघरिया टोला गांव का ट्रांसफार्मर पिछले 08 दिनों से जला हुआ था। वर्तमान में इस्लाम धर्म का पवित्र माहे रमजान चल रहा है ऐसे में बिजली न होने के कारण रोजेदारों और ग्रामीणों को पानी और रोशनी के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। भीषण गर्मी और इबादत के वक्त बिजली की कमी में ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी थी बिजली संकट गहराने पर ग्रामीणों ने अपनी व्यवस्था युवा कांग्रेस राजमहल विधानसभा कौसर आलम को बताई मामले की गंभीरता और रमजान के महत्व को देखते हए

कौसर अलम ने ग्रामीण को आश्वासन दिया था। जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराएंगे अपने वादों के अनुरूप उन्होंने विभाग से संपर्क साधा और त्वरित कार्रवाई करते हुए 25 केवी का ट्रांसफार्मर गांव भेजवाया और बिजली बहाल हुई ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे अंधेरा में डूबे तीनघारिया टोला फिर से रोशनी लौट आई ग्रामीणों ने कौसर आलम की त्वरित पहल और जनहित में किए कए गए कार्य के लिए उनका तहे दिल से आभार व्यक्त किया।मौके पर मुख्य रूप से जियाउल हक मो०अब्दुल्ला सादेक अली,मुस्तफा,अबदूर रहमान सैफुद्दीन, मोजम्मील हक,नैमुल हक,सजाहान अली आदि उपस्थित रहे।

विधायक ने विस में उठाया ग्रामीण क्षेत्र में बिजली नहीं पहुंचने का मामला

युद्ध स्तर पर चल रहा है काम अगले वित्तीय वर्ष तक पहुंच जाएगा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : ग्रामीण सुदूरवर्ती क्षेत्र में बिजली नहीं पहुंचने को लेकर पाकुड विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने बुधवार को झारखंड विधानसभा में गंभीरता से मामला उठाया जानकारी के अनुसार साहिबगंज जिले के विभिन्न सुदूरवर्ती गांव में बिजली अब तक नहीं पहुंचने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आज भी काफी परेशानियों के सामना करना पड़ता है।झारखंड विधानसभा में उठाया इसके बाद विभागीय मंत्री ने सदन में बताया कि उपायुक्त साहिबगंज के माध्यम से रिपोर्ट प्राप्त हुई है जिन गांवों में बिजली अब तक

नहीं पहुंची है वित्तीय वर्ष 2027 में प्रत्येक गांव में बिजली पहुंचा दी जाएगी मुख्यमंत्री उज्जवल झारखंड योजना के तहत युद्ध स्तर पर ग्रामीण क्षेत्र में काम चल रहा है लगातार इसका मॉनिटरिंग भी की जा रही है अगले वित्तीय वर्ष में इन गांव में बिजली पहुंचा दिया जाएगा विधायक निसात आलम ने बताया कि सरकार की विभागीय मंत्री ने कार्य में प्रगति के साथ-साथ जल्द विद्युतीकरण का कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया है हम लोग इसकी मॉनिटरिंग करेंगे,और जिन गांवों में बिजली नहीं पहुंची है वहां हम लोग पहुंचाने का प्रयास करेंगे विधायक निसात आलम ने कहा कि क्षेत्र का जो भी जरूरी मुद्दा होगा।हम उसे विधानसभा में उठते हैं सरकार को संज्ञान में लाते हैं और उसका समाधान सरकार करती है।

दो नाबालिगों को रेस्क्यू कर बाल संरक्षण को सौंपा गया

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में अधीनस्थ स्टाफ सहायक उपनिरीक्षक अजय कुमार हांसदा कांस्टेबल जय कुमार,कांस्टेबल सूरज प्रताप यादव व कांस्टेबल अजय कुमार के साथ संयुक्त रूप से रेल परिसर में असामाजिक तत्वों यात्रियों से संबंधित अपराधों और अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु बरहरवा रेलवे स्टेशन के विभिन्न हिस्सों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया।अभियान के क्रम में जाँच टीम जब प्लेटफॉर्म संख्या 01 स्थित वेटिंग रूम में पहुंची, तो वहां एक लड़का एवं एक लड़की संदिग्ध अवस्था में बैठे हुए पाए गए,जो आपस में बातचीत कर रहे थे।संदेह होने पर दोनों से पूछताछ की गई ।जिसमें प्रारंभ में उन्होंने स्वयं को भाई-बहन बताया।किंतु जब दोनों से उनके अभिभावकों से बात कराने हेतु कहा गया। तो वे घबरा गए एवं सही तथ्य बताने लगे। पूछताछ में लड़के ने अपनी आयु लगभग 15 वर्ष व पता थाना तालझारी,जिला साहेबगंज बताया,जबकि लड़की ने अपनी आयु लगभग 17 वर्ष एवं पता थाना शिकारीपाड़ा,जिला-दुमका बताया।आगे पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे एक-दूसरे को फेसबुक के माध्यम से जानते हैं। आपस में प्रेम संबंध में हैं। लड़की ने बताया कि वह दुमका से पाकुड़ तथा वहां से सड़क मार्ग द्वारा बरहरवा अपने उक्त मित्र के साथ आई थी तथा दोनों बरहरवा स्टेशन के वेटिंग हॉल में आगे कहीं जाने की योजना बना रहे थे।चूंकि दोनों नाबालिग हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर बाल संरक्षण मंथन,चाइल्डलाइन बरहरवा की प्रतिनिधि आराधना मंडल को बुलाया गया। उनके द्वारा दोनों बच्चों की काउंसलिंग की गई।तत्पश्चात दोनों नाबालिगों को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया एवं सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए दोनों को अग्रिम कार्रवाई हेतु आराधना मंडल,बाल संरक्षण मंथन,बरहरवा के सुपुर्द किया गया है।ज्ञात हो कि बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर के निर्देश पर लगातार रेल परिसर में जाँच अभियान संचालित की जा रही है।किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है पकड़े जाने पर कानूनी कार्यवाही की जाएवी।

धरना प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर हुई चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड क्षेत्र के मां पगली दुर्गा मंदिर मंडई में झारखंड मजदूर संघ प्रजा० की बैठक प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन कुमार की अध्यक्षता में हुई।बैठक मे सदस्या अभियान और आगामी प्रस्तावित 23 मार्च 2026 अनुमंडल कार्यालय राजमहल के समक्ष मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए श्रम समस्या समाधान सहित अन्य मांगो को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई।वही बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि न्यूनतम वेतन की गारंटी,प्रवासी मजदूरों के बारे में चर्चा करना,प्रधानमंत्री आवास योजना का भुगतान में विलम्ब होना,ईंट भट्टों में बाल मजदूरी से काम कराना,प्राथमिक विद्यालय नागेश्वर बाग में पेयजल की सुविधा का अभाव होना,संबंधित बातों पर विस्तार पूर्वक पर चर्चा किया।मौके पर फुल कुमारी देवी,रवि कुमार घोष,जमुना राय,राकेश कुमार महतो,सुष्मिता कुमारी,लाल यादव,हामिद शेख,मंगलदेव महतो,मोहम्मद फिरोज अंसारी मोहम्मद जबर शेख आदि मौजूद थे।

ऑफ बायोएक्टिव मोलेक्यूल्स इन एलो वेरा गेल ड्राई पाउडर विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के साहिबगंज महाविद्यालय के रसायन विभाग के विऑफ बायोएक्टिव मोलेक्यूल्स इन एलो वेरा गेल ड्राई पाउडर विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत भागाध्यक्ष एवं एकेडमिक इंचार्ज डॉ.अनिल कुमार ने 17-19 मार्च तक तीन दिवसीय थर्ड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फ्रंटयर एरियाज ऑफ केमिस्ट्री में अपना शोध पत्र आभासी माध्यम से प्रस्तुत किया।यह अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय,मोतिहारी पूर्वी चंपारण बिहार में आयोजित किया गया था।जिसका आयोजन डॉ.देवदत्त चतुर्वेदी के निर्देशन में किया गया।इस सम्मेलन में डॉ.अनिल कुमार ने फटीर करैक्टरइजेशन ऑफ बायोएक्टिव मोलेक्यूल्स इन एलो वेरा गेल ड्राई पाउडर विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।अपने शोध में उन्होंने एलोवेरा जेल ड्राई पाउडर में पाए जाने वाले बायोएक्टिव मॉलेक्यूल्स का विश्लेषण फटीर तथा अन्य स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीकों के माध्यम से किया।डॉ.अनिल कुमार वर्तमान में साहिबगंज क्षेत्र में उपलब्ध औषधीय पौधों जैसे एलोवेरा,नीम,चिरोटा तथा तुलसी पर शोध कार्य कर रहे हैं।इन पौधों में पाए जाने वाले विभिन्न बायोएक्टिव यौगिकों का कैरेक्टरा इजेशन आधुनिक स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों के माध्यम से किया जा

रहा है,जिसमें आईआईटी धनबाद का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है।अपने व्याख्यान में डॉ अनिल कुमार ने एलोवेरा के विभिन्न उपयोगों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका प्रयोग फार्मास्यूटिकल्स, नेचुरल कॉस्मेटिक्स, फूड प्रिजर्वेटिव्स, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इन्फ्लेमेटरी तथा वूंड हीलिंग जैसे क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जाता है। उन्होंने बताया कि एलोवेरा जेल में पॉलिसैके राइड्स, ग्लाइकोप्रोटीन, फेनोलिक यौगिक तथा अन्य सूक्ष्म घटक पाए जाते हैं।जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं।डॉ.अनिल कुमार ने कहा कि प्रकृति में पाए जाने वाले औषधीय पौधे मानव जीवन के लिए अनमोल रत्न हैं।जिनमें अनेक औषधीय गुण विद्यमान हैं।भविष्य में इन प्राकृतिक स्त्रोतों से विकसित औषधियाँ मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी।डॉ.अनिल कुमार की लगन, शोध के प्रति समर्पण तथा निरंतर प्रयास का ही परिणाम है कि उन्होंने अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। कई पुस्तकों की रचना भी की है।इसके साथ ही वे अपने यूट्यूब चैनल हॉटस्पॉट केमिस्ट्री बाई डॉ अनिल कुमार के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अमेरिका,दक्षिण अफ्रीका,नेपाल सहित भारत के विभिन्न राज्यों से आए प्रोफेसर,शोधकर्ता एवं वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।इस सम्मेलन से रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नए शोध आयाम विकसित हुए तथा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।डॉ.अनिल कुमार की इस उपलब्धि से साहिबगंज महाविद्यालय, साहिबगंज तथा सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 : भारतीय पुरुष टीम का अभियान 15 अगस्त से होगा शुरू, 19 अगस्त को पाकिस्तान से मुकाबला

– महिला टीम 16 अगस्त से करेगी अभियान की शुरूआत

एजेंसी

एम्स्टर्डम : एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के मुकाबले का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय पुरुष टीम 19 अगस्त को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ पूल-डी मुकाबला खेलेगी। यह मैच भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम को पूल-डी में पाकिस्तान के अलावा इंग्लैंड और वेल्स के साथ रखा गया है। इस चार टीमों के समूह से शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को क्रॉस-ओवर मुकाबले खेलने होंगे।

1975 की विश्व कप विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने अभियान की शुरूआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी। यह मैच भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम 17 अगस्त को इंग्लैंड से भिड़ेगी, जबकि 19 अगस्त को बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबला होगा। पूल चरण के मैच 20 अगस्त तक खेले जाएंगे और नॉक-आउट दौर 21 अगस्त से शुरू होगा। वहीं भारतीय महिला हॉकी टीम अपने अभियान की शुरूआत 16 अगस्त को एशियाई चैंपियन और विश्व नंबर-4 चीन के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय महिला टीम 18 अगस्त को साउथ अफ्रीका से भिड़ेगी और 20 अगस्त को अपने अंतिम लीग मैच में इंग्लैंड से मुकाबला करेगी।

इस बार पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप का आयोजन पहली बार संयुक्त रूप से बेल्जियम और नीदरलैंड्स में किया जा रहा है। टूर्नामेंट 15 से 30 अगस्त तक चलेगा। मुकाबले दो स्थानों एम्स्टलवीन के वैगनर स्टेडियम और बेल्जियम के वाव्रे स्थित बेल्फियस हॉकी एरीना में खेले जाएंगे।

भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप जीतकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था, जबकि महिला टीम ने हैदराबाद में आयोजित क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में उपविजेता रहकर इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जगह बनाई। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा के बाद भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर हॉकी प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स ने नई जर्सी का अनावरण किया

जयपुर : राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का बुधवार को अनावरण किया। आईपीएल के पहले सीजन की विजेता रही रॉयल्स ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की। पोस्ट के कैप्शन में लिखा, #नया लुक, वही हल्ला बोल। जर्सीः रिवील्ड। नव नियुक्त कप्तान रियान पराग, युवा और आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई इस दौरान मौजूद थे। उन्होंने आईपीएल 2026 सीजन के लिए अपनी नई जर्सी प्रदर्शित की।

आईपीएल की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है। राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मैच 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ खेलेगी।

रियान पराग आरआर के लिए सात सीजन खेले हैं। इस दौरान 84 आईपीएल मैचों में 1566 रन बनाए हैं। इस सीजन संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होने के बाद रियान पराग को राजस्थान रॉयल्स का नया कप्तान बनाया गया है। 25 वर्षीय बिश्नोई को पिछले साल दिसंबर में हुई मिनी नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 7.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। उससे पहले वह लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा थे। बिश्नोई ने अब तक 77 आईपीएल मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 72 विकेट हासिल किए हैं। उभरते हुए युवा सितारों में से एक वैभव सूर्यवंशी को 2024 में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 मैचों में 252 रन बनाए थे।

रिलीज से पहले

विवादों में घिरी 'धुरंधर द रिवेंज', सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का लगा आरोप

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह, आर माधवन और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 18 मार्च को फिल्म का पेड-प्रीव्यू रखा गया है, लेकिन रिलीज होने से पहले ही फिल्म विवादों में घिरती नजर आ रही है। सिख समुदाय ने फिल्म में रणवीर सिंह के किरदार पर सवाल उठा दिए हैं। उनका कहना है कि फिल्म में सिख समुदाय की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है। महाराष्ट्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता विक्की थॉमस सिंह ने फिल्म के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर और सिख का कैरेक्टर निभाने वाले एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ सीबीएफसी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को लीगल नोटिस दिया है। नोटिस में कहा गया है कि सिख समुदाय तंबाकू नहीं खाता है और सिख धर्म में तंबाकू और धूम्रपान का सख्त निषेध है। ऐसे में फिल्म में इस तरह का सीन दिखाना न केवल धार्मिक रूप से असंवेदनशील है, बल्कि ये पूरे सिख समुदाय की आस्था का अपमान भी है। विक्की थॉमस सिंह का कहना है कि फिल्म से सिख को धूम्रपान करते दिखाने वाले सभी दृश्य तुरंत हटाए जाएं। साथ ही फिल्म से जुड़े पोस्टर, ट्रेलर और अन्य प्रचार सामग्री से भी ऐसे दृश्य हटाए जाएं। नोटिस में फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' से ईशनिंदात्मक, आपत्तिजनक और धार्मिक रूप से असंवेदनशील सामग्री को तत्काल हटाने के लिए कहा गया है और सिख समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए भी कहा गया है, क्योंकि फिल्म में ऐसे दृश्य और प्रचार सामग्री शामिल हैं, जो सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गंभीर रूप से आहत करते हैं। फिल्म में रणवीर सिंह ने जसकीरत सिंह रंगी नाम के काल्पनिक जासूस का रोल प्ले किया है, जो हमजा अली बनकर पाकिस्तान में मौजूद दुश्मनों के बीच रहकर उनकी जानकारी भारत को देता है। फिल्म के पहले पार्ट में दिखाया गया था कि जसकीरत सिंह रंगी एक कैदी है, जिसे प्रशिक्षित करने के बाद भी पाकिस्तान भेजा गया। अब फिल्म के दूसरे पार्ट में जसकीरत सिंह रंगी की जिंदगी से जुड़े कई राज खुलने वाले हैं।

भावुक हुए राजपाल

बोले- 'बचपन में उनकी फिल्मों पर तालियां बजाई हैं'

दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता और कॉमेडियन असरानी (गोवर्धन असरानी) का 20 अक्टूबर 2025 को 84 साल की उम्र में निधन हो गया। अपने पांच दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने अनगिनत फिल्मों में काम किया। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से ऑडियंस के दिलों में खास जगह बनाई। उनकी आखिरी फिल्मों में से एक 'भूत बंगला' जल्द रिलीज होगी। इसी फिल्म को लेकर अभिनेता राजपाल यादव ने बातचीत की। इस बातचीत में दिग्गज कलाकार असरानी को याद करते हुए कई भावुक बातें साझा की हैं। असरानी के साथ काम करने के अनुभव पर राजपाल यादव ने कहा कि उनके साथ स्क्रीन शेयर करना अपने आप में एक खास अनुभव रहा है। वह कहते हैं, 'असरानी साहब के बारे में क्या बताऊं। बचपन से हमने उनकी फिल्में देखी हैं। थिएटर में उनके डायलॉग्स पर तालियां बजाई हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत बड़ी खुशी की बात है। उन्होंने अपना पूरा जीवन अभिनय को समर्पित कर दिया है।'

शाहिद की कॉकटेल 2 इस दिन होगी रिलीज

पहला पोस्टर आया सामने

शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' का पहला पोस्टर रिलीज हो गया है. फिल्म में शाहिद के साथ कृति सैनन और रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं. साथ ही मेकर्स ने फिल्म रिलीज का डेट भी अनाउंस कर दिया है. जानिए कब रिलीज होगी यह कॉमेडी-रोमांटिक फिल्म? बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर इन दिनों लगातार चर्चा में बने हुए हैं. हाल ही में उनकी फिल्म ओ रोमियो रिलीज हुई, जिसे बॉक्स ऑफिस पर भले ही उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली, लेकिन फिल्म में शाहिद की एक्टिंग, डांस और स्टाइल को फैंस ने खूब पसंद किया. इसी बीच शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक और बड़ी खबर सामने आई है. उनकी अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है. पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस का एक्साइटमेंट साफ दिख रहा है. साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया गया है.

अक्षय कुमार के शो में पहुंचे गुजराती ब्लॉकबस्टर 'लालो' के सितारे, शेयर की फिल्म के पीछे की कहानी

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी फिल्मों के साथ-साथ क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में सक्रिय हैं। उनके शो में गुजराती फिल्म 'लालो-कृष्ण सदा सहायते' की टीम ने स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की है। 'लालो' गुजराती सिनेमा की पहली ऐसी फिल्म बनी है, जिसने बॉक्स ऑफिस में शानदार कमाई कर इतिहास रच दिया है। इसका हिंदी डब संस्करण 9 जनवरी 2026 को रिलीज हुआ और दिलचस्प बात ये है कि यह फिल्म एक ही कैमरे से शूट की गई है। इसके गाने काफी भावपूर्ण हैं, जिन्हें हिंदी में भी डब किया गया है। इस एपिसोड में अक्षय ने फिल्म के निर्देशक अंकित सखिया और कलाकारों श्रुहद गोस्वामी, रीवा रच, और करण जोशी समेत पूरी टीम मस्ती करते नजर आए। वहीं, शो की शुरुआत में अक्षय ने बांसुरी बजाकर माहौल को और भी ज्यादा खास बनाया।

अक्षय ने शो में बताया कि तीन दोस्तों, अंकित सखिया और उनके साथियों ने इस फिल्म को बनाने का सपना देखा था। उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाने के लिए अंकित और उनके साथियों के पास सिर्फ एक-दूसरे पर भरोसा था। उन्होंने एक दोस्त से कैमरा उधार लिया, दोस्तों को ही एक्टिंग करने को कहा और एक ही जगह पर पूरी फिल्म शूट कर डाली। सिर्फ 40 दिनों में शूटिंग पूरी हुई। टीम में करीब 15 प्रोड्यूसर थे, ज्यादातर कॉलेज के दोस्त। जब पैसे की कमी होती, तो ये दोस्त अपनी जमा-पूंजी से मदद करते थे। '

8 साल बाद 'सरकार 4' ला रहे राम गोपाल वर्मा, फिर दिखेंगे अमिताभ बच्चन? शूटिंग पर धांसू अपडेट

कई बड़ी फिल्मों के सीक्वल पर इस वक्त काम चल रहा है. कुछ का ऑफिशियल ऐलान हो चुका है, तो कुछ फिल्मों का फैन्स को इंतजार है. इस लिस्ट में अब 'सरकार 4' भी जुड़ गई है. फिल्म के पहले तीन इंस्टॉलमेंट ने लोगों को काफी इम्प्रेस किया. साथ ही काफी अच्छा कारोबार बॉक्स ऑफिस में हुआ था. इसी बीच चौथे पार्ट के शूटिंग की जानकारी भी सामने आ गई है. क्या एक बार फिर

फिल्मों के सीक्वल पर है. हर साल कई फिल्मों के पार्ट 2, 3, 4 या 5 आ रहे हैं. यूं तो ऐसा सिर्फ बॉलीवुड में नहीं है, बल्कि साउथ में भी होता रहा है. पर इन सीक्वल्स की डिमांड भी बहुत है. कोई भी फिल्म आती है और अगर बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर ले, तो लोग सीक्वल लाने की बात कहने लगते हैं. कई फिल्में ऐसी रही हैं, जिनके पार्ट 1 रिलीज से पहले ही पार्ट 2 अनाउंस हो गया. खैर

बाल-बाल बचे निक-प्रियंका चोपड़ा

निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा के साथ रेड कर्पेट के पहले एक घटना हुई। थिएटर पहुंचने के उनकी गोल्फ कार्ट का संतुलन बिगड़ने से दोनों गिरने से बच गए। ग्लोबल पॉवर कपल निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा रेड कार्पेट पर साथ पोज कर फिर से फैंस की धड़कनें बढ़ा दीं। मगर इस आइकॉनिक मूमेंट के पहले दोनो के साथ एक हादसा होते होते रह गया। जिससे इनकी यादों में ऑस्कर का एक खास किस्सा भी जुड़ गया।

निक-प्रियंका का वीडियो वायरल

15 मार्च को हुए 98वें ऑस्कर अवॉर्ड में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस हिस्सा लेने पहुंचे थे। रेड कार्पेट पर जाने के लिए कपल काफी लेट हो रहा था। जिससे लिए वो गोल्फ कपल गोल्फ कार्ट पर बैठा मगर लेट होने की वजह से ड्राइवर ने उसकी स्पीड तेज कर दी। जिसके बाद एक मोड़ आता है जिसमें कार्ट का बैलेंस बिगड़ गया और उसका एक पहिया जमीन से उठ गया। जिसके बाद जोड़े ने कार्ट को पकड़ लिया। ड्राइवर ने कुछ ही सेकेंड में उसपर काबू पा लिया।

पर्सनल गाड़ी को इजाजत नहीं

8वें ऑस्कर अवॉर्ड समारोह का आयोजन अमेरिका के हॉलीवुड स्थित डॉल्बी थिएटर में हुआ। इस दौरान थिएटर के सुरक्षा घेरे के अंदर किसी भी निजी वाहन को आने की अनुमति नहीं थी।

समारोह में दुनिया भर से सेलिब्रिटीज के आने से वाहनों के मेनेज करना मुश्किल होता

बिस चुनाव 2026 : नंदीग्राम का दंगल इस बार और दिलचस्प, अपने ही सहयोगी से शुभेंदु का मुकाबला

एजेंसी

कोलकाता : पूर्वी मिदनापुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट पश्चिम बंगाल की राजनीति की सबसे चर्चित और संवेदनशील सीटों में मानी जाती है। इस बार भी सीट पर चुनावी दंगल बेहद खास होने वाला है। 2021 के विधानसभा चुनाव में यहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपने ही पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी के सामने हार का सामना करना पड़ा था। तब शुभेंदु उन्हें छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। इस बार भाजपा ने इस सीट से शुभेंदु को ही उम्मीदवार बनाया है लेकिन ममता बनर्जी यहां चुनाव नहीं लड़ रही हैं। इसके बजाय भारतीय जनता पार्टी के ही नेता और शुभेंदु के सहयोगी रहे पवित्र कर को तृणमूल की ओर से उम्मीदवार बनाया गया है। रविवार को जिस दिन तृणमूल कैंडीडेट्स का ऐलान हुआ उसी दिन पवित्र पार्टी में शामिल हुए।

तामलुक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली इस सीट में नंदीग्राम-1 और नंदीग्राम-2 विकासखंड शामिल हैं। वर्ष 1951 से 1967 तक यह क्षेत्र नंदीग्राम उत्तर और नंदीग्राम दक्षिण नाम से दो अलग विधानसभा क्षेत्रों में विभाजित था, लेकिन 1967 में दोनों का विलय कर वर्तमान नंदीग्राम विधानसभा सीट का गठन किया गया। नंदीग्राम का नाम आते ही वर्ष 2007 का भूमि आंदोलन सबसे पहले याद आता है। तत्कालीन वाममोर्चा सरकार द्वारा प्रस्तावित रासायनिक केंद्र के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान 14 ग्रामीणों की मौत हो गई थी। इस घटना ने राज्य की राजनीति की दिशा बदल दी। यह आंदोलन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के राजनीतिक उत्थान का बड़ा कारण बना। आंदोलन के बाद उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और अंततः वर्ष 2011 में 34 वर्ष पुरानी वाममोर्चा सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम एक बार फिर पूरे देश की नजरों में आ गया, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पारंपरिक भवानीपुर सीट छोड़कर यहां से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। उनका मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी से हुआ, जो उस समय भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो चुके थे। बेहद कड़े और नाटकीय मुकाबले में ममता बनर्जी को मात्र 1,956 मतों से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार इस सीट पर अपना कब्जा जमाया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी नंदीग्राम क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को बढ़त मिली। इस क्षेत्र में पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस पर 8,200 मतों की बढ़त दर्ज की। इसके बाद से यह सीट भारतीय जनता पार्टी के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अब तक नंदीग्राम में 15 विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, जिनमें वर्ष 2009 का उपचुनाव भी शामिल है। शुरूआती दशकों में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का यहां मजबूत प्रभाव रहा और उसने नौ बार जीत हासिल की। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने यहां दो-दो बार जीत दर्ज की है, जबकि जनता पार्टी को एक बार सफलता मिली। भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2021 में पहली बार इस सीट पर विजय प्राप्त की।

मतदाता संरचना और मतदान का रुझानवर्ष 2016 में यहां कुल मतदाताओं की संख्या दो लाख 31 हजार 866 थी। वर्ष 2019 में यह संख्या बढ़कर दो लाख 46 हजार 434 हो गई, जबकि वर्ष 2021 में कुल मतदाता दो लाख 57 हजार 992 दर्ज किए गए।

देवी मंदिरों में गूंजे जयकारे, शैलपुत्री पूजन के साथ चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ

एजेंसी

औरैया : चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर गुरुवार को पूरे जनपद में भक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिला। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि का शुभारंभ होते ही सुबह से ही देवी मंदिरों में माँ के जयकारे गूंजने लगे। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार नवरात्रि के प्रथम दिन माँ शैलपुत्री की पूजा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन और विधि-विधान से माँ शैलपुत्री की आराधना करता है, उसे सुख, समृद्धि, लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य का वरदान प्राप्त होता है। इसके साथ ही जीवन में स्थिरता आती है और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। भक्तों ने कलश

स्थापना कर चंदन, अक्षत, फल, फूल और मिठाई अर्पित कर माता का पूजन किया। विशेष रूप से सफेद पुष्प और सफेद मिठाई चढ़ाने की परंपरा का पालन किया गया, जो माँ शैलपुत्री को अत्यंत प्रिय मानी जाती है। घरों के साथ-साथ मंदिरों में भी पूजा-अर्चना का क्रम सुबह से ही जारी रहा। जनपद के प्रमुख देवी मंदिरों–बीहड़ क्षेत्र स्थित माँ मंगलकली मंदिर, काली माता मंदिर, फूलमती माता मंदिर तथा कान्हो स्थित महामाई मंदिर–में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं और पूरा वातावरण ह्लजय माता दीह्व के उद्घोष से भक्तिमय हो गया। भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। मंदिरों तक जाने वाले प्रमुख मार्गों और मंदिर परिसरों में पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और व्यवस्था सुचारु बनी रहे। नवरात्रि के इस पावन आरंभ ने पूरे औरैया जनपद को भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के रंग में रंग दिया है।

नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष गगन थापा ने ली हार की जिम्मेदारी, दिया इस्तीफा

काठमांडू : नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष गगन थापा ने प्रतिनिधि सभा चुनाव में पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। थापा ने अपना इस्तीफा उपाध्यक्ष विश्वप्रकाश शर्मा को सौंपा। पार्टी की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में इस्तीफे पर फैसला किया जाएगा। पार्टी उपाध्यक्ष शर्मा ने आज एक्स पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि पार्टी अध्यक्ष गगन थापा इस्तीफा देना दुखद है। इस पर फैसला कल होने वाली केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में लिया जाएगा। गगन थापा को 11 से 14 जनवरी तक काठमांडू के भृकुटीमंडप में आयोजित विशेष महाधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष चुना गया था। हालांकि, इस महाधिवेशन की वैधता को तत्कालीन अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा और कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और यह मामला अभी विचाराधीन है। महाधिवेशन के तुरंत बाद नेपाली कांग्रेस चुनाव में उतरी, जहां पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के सभी बड़े नेता एवं पदाधिकारी इस चुनाव में पराजित हो गए हैं। तना ही नहीं पार्टी अध्यक्ष थापा स्वयं भी चुनाव हार गए हैं।

बिहार में 20 से 22 मार्च के दौरान कई जिलों में आंधी-पानी का येलो अलर्ट जारी

एजेंसी

पटना : बिहार में अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क बने होने के साथ कुछ स्थानों पर गरज के आसार हैं। 20 मार्च से 22 मार्च के दौरान उत्तर और दक्षिण पूर्व भाग में गरज के साथ बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार को पटना सहित 15 जिलों के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बिहार में 20 मार्च से एक बार फिर आंधी-बारिश का मौसम देखने को मिलने वाला है। मौसम विभाग ने शुक्रवार से बिहार के 12 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। जिनमें शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी और समस्तीपुर शामिल हैं। वहीं 19 जिलों में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलने की संभावना है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश भी हो सकती है। 21 मार्च को बिहार के सभी 38 जिलों में मौसम खराब देखने को मिल सकता है। इस दौरान पूरे राज्य में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। जिसे देखते हुए आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया है। 22 मार्च को भी बिहार के पूर्वी हिस्से में बारिश का मौसम देखने को मिल सकता है जिनमें सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया शामिल हैं। शेष अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। बीते 24 घंटों के दौरान पटना के अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 33.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि, 36.4 डिग्री सेल्सियस के साथ कैमूर के भभुआ का सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया। नालंदा में हवा की गति 26 किमी प्रतिघंटा दर्ज की गई। राजधानी व आसपास इलाकों का मौसम शुष्क बने होने के साथ शाम से आंशिक रूप से बादल छाए रहने से मौसम सामान्य बना रहा।

भाजपा ने गोवा समेत चार राज्यों के विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को गोवा समेत चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया । कर्नाटक, गोवा, नागालैंड और त्रिपुरा में होने वाले उपचुनाव के लिए 9 अप्रैल को मतदान होगा। नागालैंड की 28-कोरिडांग सीट से दाओचियर आई. इम्चेन को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि त्रिपुरा की 56-धर्मनगर सीट से जहार चक्रवर्ती चुनाव लड़ेंगे। मौजूदा विधायकों, नागालैंड में पूर्व मंत्री इम्कोंग एल इम्चेन और त्रिपुरा में सीनियर नेता और पूर्व मंत्री बिस्वा बंधु सेन के निधन के बाद 28-कोरिडांग और 56-धर्मनगर सीटें खाली हो गई थीं। सूची के अनुसार गोवा की पोंडा

सीट से रितेश रवि नाइक, नागालैंड की कोरिडांग सीट से दाओचियर आई इम्चेन और त्रिपुरा की धर्मनगर सीट से जहर चक्रवर्ती को मैदान में उतारा गया है। कर्नाटक से वीरभद्रय्या चारंतिमठ बागलकोट सीट से चुनाव लड़ेंगे और श्रीनिवास टी दासकरियप्पा कर्नाटक की दावणगेरे दक्षिण सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगे। और त्रिपुरा के धर्मनगर सीट से जहर चक्रवर्ती को चुनावी मैदान में उतारा है। सभी सीटों के लिए वोटों की गिनती 4 मई को होगी और चुनाव प्रक्रिया 6 मई तक पूरी हो जाएगी।

मप्रः मुख्यमंत्री आज इंदौर से करेंगे तीसरे जल गंगा संवर्द्धन अभियान का शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गुरुवार को गुड़ी पड़वा (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के अवसर पर इंदौर के इस्कॉन मंदिर से तीसरे जल गंगा संवर्धन अभियानह्र का शुभारंभ करेंगे। इंदौर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में भी जल स्रोतों या नदियों के समीप कार्यक्रम आयोजित कर अभियान की शुरूआत की जाएगी। जनसम्पर्क अधिकारी आरआर. पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि साढ़े तीन माह तक चलने वाले इस प्रदेशव्यापी महाअभियान का समापन 30 जून को होगा। इसमें 18 विभाग शामिल होंगे। पंचायत

एवं ग्रामीण विकास विभाग ह्यजल गंगा संवर्धन अभियानह्ल का नोडल विभाग होगा, जबकि नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग सह-नोडल विभाग रहेगा।

हर जिले में प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में होगा क्रियान्वयन

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में किया जाएगा। कलेक्टर जिलों में अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। उनकी अध्यक्षता में जिला जल गंगा संवर्धन अभियान समिति कार्य योजना तैयार कर मॉनिटरिंग करेगी। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत-समन्वयक और सभी सहभागी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों, कृषि-अभियांत्रिकी शिक्षण व शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों, जिले के प्रतिष्ठित संत व महात्माओं और जिले के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को इस समिति में नामांकित किया जा सकेगा। विकास खंड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नोडल अधिकारी होंगे। उनके नेतृत्व में विकास खंड जल गंगा संवर्धन अभियान समिति कार्यों की निगरानी करेगी। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत-समन्वयक और सहभागी विभागों के विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। जल संरक्षण व संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 4झ5 सरपंच तथा विकास खण्ड के प्रतिष्ठित व्यक्ति इस समिति में आमंत्रित किए जा सकेंगे।

सराफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी में भी 10 हजार रुपये से अधिक की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। गुरुवार को कारोबार की शुरूआत में ही हाजिर सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,740 रुपये से लेकर 1,57,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,44,590 रुपये से लेकर 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु

आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी के भाव में आज गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सिंगापुर गोल्ड एक्सचेंज में आज हाजिर सोना 4,989.65 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं लंदन सिल्वर मार्केट में हाजिर चांदी की कीमत 79.92 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमोजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

न्यूज IN ब्रीफ

चैत्र नवरात्र पर मुख्यमंत्री ने की पूजा, प्रदेश की खुशहाली की कामना

जयपुर : चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना कर घट स्थापना की और मां दुर्गा की आराधना की। मुख्यमंत्री ने श्रद्धा और विधि-विधान के साथ पूजा करते हुए मां दुर्गा से प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन की कामना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना भी की। नवरात्र के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश भी दिया। आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेड़ों पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधे, ताकि तेज गर्मी में पक्षियों को पानी मिल सके। इस पहल को प्रकृति और जीव संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री की इस पहल से आमजन को भी गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की प्रेरणा मिल रही है।

सुलतानपुर में युवक का शव पेड़ से लटका मिला, हत्या का आरोप

सुलतानपुर : उत्तर प्रदेश में जिला सुलतानपुर के बल्दीराय थाना क्षेत्र में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला है। परिजनों और ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि युवक की हत्या करके शव पेड़ पर लटकाया गया है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच कर रही है। क्षेत्राधिकारी बल्दीराय आशुतोष कुमार ने गुरुवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि बुधवार देर रात को पूरे सूबेदार मजरे बिसावां गांव एक पेड़ से शर्ट के सहारे एक युवक की लाश लटक रही है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान राहुल यादव (18) यादव के रूप में की गई है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि राहुल बीती रात को घर से निकला और वापस नहीं लौटा। घरवालों ने आरोप लगाया है कि युवक की हत्या करके शव को पेड़ से लटकाया गया है। क्षेत्राधिकारी बल्दीराय आशुतोष कुमार ने बताया कि शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

सड़क पर खड़ी खराब ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बाइक, 32 वर्षीय युवक की मौत

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के फफूंद क्षेत्र में देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नितिन राजपूत के रूप में हुई है, जो केशमपुर के मजरा नुन्हा गांव का निवासी था। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, नितिन राजपूत बुधवार देर शाम फफूंद में अपने एक मित्र के घर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। देर रात वह अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। तभी केशमपुर स्थित पाड़ी बाबा मंदिर के सामने सड़क के बीचों-बीच खड़ी एक खराब ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि नितिन की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक, उक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली का बैरिंग खराब हो जाने के कारण वह सड़क पर ही खड़ी कर दी गई थी। चालक ट्रॉली को वहीं छोड़कर चला गया था। ट्रॉली में आलू लदे हुए थे और वह इटावा की ओर जा रही थी। अंधेरा होने के कारण नितिन को सड़क के बीच खड़ी ट्रॉली दिखाई नहीं दी, जिससे यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही फफूंद पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर-ट्रॉली को सड़क किनारे हटवाया। इसके बाद फाफूंद थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और परिजनों को सूचना दी। मृतक की पत्नी मंजू राजपूत ने बताया कि नितिन देर शाम कार्यक्रम में गए थे और देर रात लौटते समय यह हादसा हो गया। नितिन अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं।

एसपी ने कमालगंज थाना प्रभारी को हटाया, चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

फरुर्खाबाद : पुलिस अधीक्षक (एसपी) आरती सिंह ने बुधवार की देर रात को कमालगंज थाना प्रभारी को हटा दिया है। इसके साथ ही एक चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर किया है। एसपी आरती सिंह ने बताया कि कमालगंज थाना के थाना प्रभारी अवध नारायण पांडे का तबादला आयोग सेल के प्रभारी पद पर कर दिया है। पुलिस लाइन के निरीक्षक ललित कुमार को थाना कमालगंज का नया प्रभारी नियुक्त किया है। इसके अलावा सिविल लाइन चौकी इंचार्ज रमाशंकर पांचाल को लाइन हाजिर कर दिया है। उन्होंने तत्काल आमद रवानगी के निर्देश दिये है।

नेपाल में भारत के सहयोग से बन रहे रेलवे ट्रैक का काम मुआवजा विवाद के कारण रुका

काठमांडू : नेपाल में भारत के आर्थिक सहयोग से बन रहे रेलवे ट्रैक का काम मुआवजा विवाद के कारण रुक गया है। पूर्वझपश्चिम रेलवे परियोजना का काम बर्दिबास नगरपालिका क्षेत्र में 14 प्रभावित व्यक्तियों के मुआवजा विवाद के चलते प्रभावित हुआ है। भारत के सहयोग से जयनगर से महोत्तरी जिले की भंगहा नगरपालिका स्थित रेलवे स्टेशन तक रेल सेवा पहले ही शुरू हो चुकी है। लेकिन भंगहा से बर्दिबास तक का निर्माण कार्य मुआवजा भुगतान न होने के कारण रुक गया है। इन 14 प्रभावित लोगों को लगभग 7 से 8 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना है। रेलवे विभाग ने इस राशि की निकासी के लिए भौतिक पूवार्धार तथा यातायात मंत्रालय से अनुरोध किया है। मुआवजा न मिलने से नाराज प्रभावित लोगों ने मजबूर होकर बर्दिबास में रेलवे निर्माण कार्य को रोक दिया। इस रेलवे ट्रैक का निर्माण कार्य कर रही कोंकण रेलवे ने नेपाल सरकार को पत्र लिख कर मुआवजा विवाद को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह किया है। कोंकण रेलवे के तरफ से भारतीय दूतावास ने नेपाल के भौतिक योजना तथा यातायात मंत्रालय और रेल विभाग को पत्र भेजकर इस मामले को सुलझा कर रेलवे ट्रैक निर्माण कार्य को निर्बाध आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

दहेज उत्पीड़न पर पति सहित छह पर केस दर्ज

यमुनानगर : यमुनानगर में एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पति और परिवार के अन्य सदस्यों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। साथ ही उसने अपने जेठ पर अनुचित व्यवहार और जबरन संबंध बनाने की कोशिश का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी अप्रैल 2025 में समीर निवासी सहारनपुर के साथ हुई थी। विवाह के दौरान उसके परिजनों ने पर्याप्त खर्च के साथ मोटरसाइकिल सहित अन्य सामान दिया था। आरोप है कि पति समीर, ससुर अशरफ, सास शबाना, जेठ आशिफ, देवर मोसीन और ननद आशिया ने मिलकर उस पर कार, सोने के आभूषण और नकदी लाने का दबाव बनाया। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न किया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

राजस्व संग्रहण में पारदर्शिता एवं नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य है : प्रमंडलीय आयुक्त

दुमका : संथाल परगना प्रमंडल के प्रमण्डलीय आयुक्त दुमका संजय कुमार की अध्यक्षता में प्रमंडलीय आयुक्त के कार्यालय में बुधवार को प्रथम पाली में उप परिवहन आयुक्त सह सचिव, संथाल परगना क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, दुमका एवं प्रमण्डलान्तर्गत सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी तथा जिला अवर निबंधक पदाधिकारियों के साथ राजस्व संग्रहण से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त श्री कुमार ने राजस्व संग्रहण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाते हुए लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण में पारदर्शिता एवं नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य है तथा सभी पदाधिकारी अपने-अपने जिलों में बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करें।

द्वितीय पाली में प्रमण्डलान्तर्गत सभी जिलों के माप एवं तौल, सहकारिता एवं मत्स्य विभाग से संबंधित पदाधिकारियों के साथ राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण को सुदृढ़ करने हेतु नियमित निरीक्षण, अनुश्रवण एवं प्रभावी कार्य योजना तैयार कर क्रियान्वित किया जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति समयबद्ध रूप से हो सके।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों में आयुक्त के सचिव, संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका, उप परिवहन आयुक्त-सह-सचिव, संथाल परगना क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, दुमका, प्रमण्डलान्तर्गत सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, निरीक्षक विधिक माप विज्ञान से संबंधित पदाधिकारी तथा प्रमण्डलीय आयुक्त कार्यालय के प्रशाखा पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

दुमका को सिल्क सिटी के रूप में स्थापित करने की दिशा में संगठित होकर कार्य करें : उपायुक्त

दुमका : शहर के इंडोर स्टेडियम में बुधवार को रेशम उत्पादकों के लिए प्रमंडलस्तरीय एकदिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर की । कार्यशाला में बड़ी संख्या में तसर उत्पादक कृषक, विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि दुमका जिला तसर उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, जो हम सभी के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने कहा कि यह पहचान वर्षों की मेहनत, पारंपरिक ज्ञान और किसानों की प्रतिबद्धता का परिणाम है। अब आवश्यकता है कि तसर उत्पादन को केवल कच्चे उत्पाद तक सीमित न रखकर उसमें वैल्यू एडिशन किया जाए, ताकि स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिल सके।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि रेशम उत्पादकों की आय में सतत वृद्धि हो। इसी दिशा में रामगढ़ प्रखंड में सिल्क क्लस्टर विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उत्पादन, प्रसंस्करण, प्रशिक्षण एवं विपणन की समेकित व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेगा।

उन्होंने आगे कहा कि मयूराक्षी सिल्क को और अधिक विस्तारित एवं सशक्त बनाने की दिशा में भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि ब्रांड को व्यापक पहचान मिले और दुमका के उत्पाद देशभर में अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाएं।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने उपस्थित किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे इस कार्यशाला का अधिकतम लाभ उठाएं, नई तकनीकों एवं आधुनिक तरीकों की जानकारी प्राप्त करें और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी लेकर उनका लाभ लें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, नवाचार और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही उत्पादन क्षमता और आय में वृद्धि संभव है।

उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर दुमका को ह्लसिल्क सिटीह्व के रूप में स्थापित करने की दिशा में संगठित रूप से कार्य करें। यह केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि जिले की आर्थिक समृद्धि और किसानों के सशक्तिकरण का माध्यम है।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा द्वारा तसर उत्पादन से जुड़े उत्कृष्ट कृषकों को सम्मानित भी किया गया, जिससे किसानों का उत्साहवर्धन हुआ। मौके पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक दास कुमार एक्का, सुधीर कुमार सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे.

आगामी पर्वों को लेकर पुलिस अलर्ट, छह मुहान पर आज होगा दंगा नियंत्रण मॉक ड्रिल

मेदिनीनगर : आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। आज दोपहर 12 बजे शहर के छः मुहान पर दंगा नियंत्रण (रायट कंट्रोल) मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से पुलिस बल द्वारा किसी भी संभावित उपद्रव या आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का प्रदर्शन किया जाएगा। अभ्यास के दौरान भीड़ नियंत्रण, उपद्रवियों पर काबू पाने की रणनीति, त्वरित कार्रवाई एवं समन्वय क्षमता का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था पूरी तरह बनी रहे और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, लोगों से भी शांति और सहयोग बनाए रखने की अपील की गई है।

चैत्र नवरात्रि की धूम, कलश यात्रा में जय श्री राम के नारों से गूंजा हुसैनाबाद

चैत्र नवरात्र को लेकर हुसैनाबाद में निकाली गई कलशयात्रा

मेट्रो रेज संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू) : चैत्र नवरात्रि के अवसर पर जपला के श्री महावीर मंदिर प्रबंधन समिति के तत्वावधान में पारंपरिक रामचरित मानस नवाह परायण यज्ञ पांचवें वर्ष के सफल संचालन को लेकर बुधवार को बाजे- गाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जो शहर के अंबेडकर, चौक मधुशाला रोड, पुरानी बाजार, रविदास नगर, लंबी गली, गांधी चौक से होते देवरी सोन नदी में जल भरकर वापस जपला महावीर मंदिर पहुंचा। जहां यज्ञ आचार्य लक्ष्मण पांडेय व मंदिर के पुजारी गोपाल पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सभी श्रद्धालुओं को विधिवत कलश पूजन व जलभरी कराया। 19 मार्च से चैत्र शुक्ल पक्ष के प्रथम को कलश स्थापना कर पूरे नवरात्र मानस पाठ को प्रारंभ किया जायेगा । प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी व उपाध्यक्ष कामाख्या नारायण सिंह के नेतृत्व में आयोजित कलश यात्रा में इनका सहयोग सराहनीय रहा। वहीं नवरात्र की शुरूआत गुरुवार को अयोध्या से आए हुए आचार्य लक्ष्मण पांडेय व गोरखनाथ पांडेय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूरे विधि- विधान से कलश स्थापना कर नवाह यज्ञ को प्रारंभ किया जाएगा । वही गुरुवार से लेकर 26 मार्च तक संध्या 7:00

बजे से राम कथा का आयोजन रात्रि 10:00 बजे तक किया जाएगा। कलश यात्रा को सफल बनाने में मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के अलावा नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय कुमार भारती, नपं उपाध्यक्ष सुनील कुमार चौधरी, पूर्व अध्यक्ष शशि कुमार,रामेश्वर राम, हुसैनाबाद विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी शेर अली,सांसद प्रतिनिधि सुबोध कश्यप, नपं के पूर्व प्रत्याशी मुन्ना कुमार देव, प्रबंधन समिति के कोषाध्यक्ष संजय सोनी, सचिव उत्तम कुमार, सह सचिव राजीव कुमार ठाकुर, दिनेश प्रसाद कश्यप, लोकनाथ केशरी, सुबोध कश्यप, राजेन्द्र पाल, पंकज कुमार, उदयनाथ विश्वकर्मा, कृष्ण मुरारी अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, मिकू ठाकुर, पप्पू सोनी, दीनानाथ सोनी, विनय शर्मा, दिलीप भगत, काशी सोनी, वार्ड पार्षद राजकुमार कश्यप,उमा देवी, आनंद कुमार, शंभू कुमार, डॉ०शिव प्रसाद मेहता,चंदन चंद्रवंशी,श्रवण कुमार, शिवपूजन गुप्ता, शन्नी कुमार, संजय चन्द्रवंशी, विजय कुमार,देवेन्द्र के अलावा शहर के कई व्यवसायी, बजरंग दल के सभी कार्यकर्तागण व श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

चक्रधरपुर में नशे और अवैध लॉटरी पर रोक की मांग

विधायक सुखराम उरांव ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार और अवैध लॉटरी बिक्री को लेकर विधायक सुखराम उरांव ने झारखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने क्षेत्र में अफीम, गाँजा समेत अन्य नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री पर तत्काल रोक लगाने के लिए प्रशासन को सख्त निर्देश देने का आग्रह किया है।

विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों और लॉटरी का अवैध कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है, जो न केवल कानून-व्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि समाज विशेषकर 15 से 20 वर्ष के युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। उन्होंने बताया कि कई युवा नशे की गिरफ्त में आकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि क्षेत्र में छिनतई, चोरी और मारपीट जैसी घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। हाल ही में 25 फरवरी 2026 को एक 19 वर्षीय युवक की ड्रग्स के कारण धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती है।विधायक सुखराम उरांव ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पुलिस और प्रशासन को सख्त निर्देश देकर ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की भी आवश्यकता जताई गई है, ताकि समाज और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित किया जा सके।

सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए : उपायुक्त

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में बुधवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में पथ निर्माण कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न सड़क एवं पथ निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त श्री सिन्हा ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों एवं कार्य एजेंसियों को सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 114 की प्रगति की विशेष रूप से समीक्षा की गई। उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि इस परियोजना से संबंधित शेष सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को बेहतर एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि पथ निर्माण कार्यों में जहां समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, उन पर संबंधित अंचल अधिकारी अपने स्तर से त्वरित संज्ञान लेते हुए नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर बाधाओं को दूर करें, जिससे निर्माण कार्य तय समयसीमा में पूर्ण हो सकें।

बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कार्य एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मधुबंती बागची के गीतों के आनन्द से सराबोर हुए दर्शक

देवघर : जिले में आयोजित तीन दिवसीय राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव, 2026 के तीसरे और अंतिम दिन बुधवार को विभिन्न सांस्कृतिक एवं लोककला से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अलावे महोत्सव के दौरान उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि भारत में लोक कला और संस्कृति की एक समृद्ध परंपरा रही है, और राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव के माध्यम से उन पारंपरिक लोक नृत्य विधाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों के अलावा लोक कलाओं को बढ़ावा देना और लोक कलाकारों को एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपनी कला को और अधिक लोगों तक पहुंचा सकें और लोगों को अपने संस्कृति से रूबरू कराया जा सके। आगे उन्होंने कहा देवघर में पर्यटन के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है, ताकि देवघर को मुख्य पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। साथ ही उपायुक्त ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से आयोजित राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव एक नई ऊंचाईयों को छुएगा। इसके अलावा राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव, 2026 के तीसरे दिन बुधवार को अंतिम दिन की शुरूआत संभव कला जत्था द्वारा झूमर नृत्य, मानसी तिवारी और स्निग्धा यादव की प्रस्तुति में लोक कालाओं की झलक, बॉलीवुड गायिका मधुबंती बागची अपनी सुरीली आवाज से महोत्सव का भव्य समापन हुआ। इस दौरान राजद विधायक सुरेश पासवान, निगम महापौर रवि राउत, नगर निगम उपमहापौर टीप चटर्जी व जनप्रतिनिधियों व जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

एसकेएमयू एवं झारखंड स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट अकादमी के बीच हुआ समझौता ज्ञापन

संवाददाता

दुमका : उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दक्षताओं के समग्र विकास के उद्देश्य से सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका एवं झारखंड स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट अकादमी (खरत्रछ्अ) के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (टङ्गव) संपन्न किया गया। इस समझौते का औपचारिक आयोजन बुधवार को राजधानी रांची में सम्पन्न हुआ, जिसमें दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक शैक्षणिक सहयोग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मजबूत आधारशिला रखी गई।

इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखंड के निदेशक सुधीर बारा, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा, झारखंड स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट अकादमी के नोडल पदाधिकारी डॉ. सुजीत कुमार सोरेन, विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ. ईश्वर मरांडी, डॉ. पिजूष मालपहारिया सहित उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, रांची के अन्य पदाधिकारीगण एवं शिक्षाविद् उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने इस पहल को राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में एक दूरदर्शी एवं सकारात्मक कदम बताया।

समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय एवं खरत्रछ्अ संयुक्त रूप से विभिन्न क्षमता निर्माण (उंस्रू३८ इ४'ल्र्लि) प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं प्रशासनिक कर्मियों की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रबंधकीय क्षमताओं का विकास करना है। इसके माध्यम से न केवल शिक्षण गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि नवाचार, अनुसंधान गतिविधियों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

टङ्गव के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुव्यवस्थित योजना निर्माण, प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा। दोनों संस्थान मिलकर विषय-विशेष कार्यशालाओं, सेमिनारों, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करेंगे। खरत्रछ्अ के सहयोग से विषय-विशेषज्ञों एवं अनुभवी प्रशिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, जिससे कार्यक्रम अधिक प्रभावी, व्यावहारिक एवं परिणामोन्मुखी बन सकें। साथ ही, समय-समय पर इन कार्यक्रमों का मूल्यांकन कर उनकी गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता का आकलन किया जाएगा तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षकों एवं शोधार्थियों को नवीन शोध पद्धतियों, डिजिटल शिक्षण तकनीकों तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (क्ळ) आधारित आधुनिक शिक्षण विधियों से अवगत कराया जाएगा। यह पहल उच्च शिक्षा संस्थानों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धात्मक बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

समग्र रूप से, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय एवं झारखंड स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट अकादमी के मध्य यह समझौता ज्ञापन उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन, क्षमता निर्माण एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पहल न केवल शिक्षकों एवं कर्मियों के व्यावसायिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगी, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक उन्नयन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

मानस की वाणी से गूंजा ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर, भक्तिरस में डूबा उद्घाटन समारोह

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : रेड़मा ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में गुरुवार को आयोजित श्री रामचरितमानस नवाह परायण यज्ञ के उद्घाटन समारोह में श्रद्धा,भक्ति और सांस्कृतिक गरिमा का अनुपम संगम देखने को मिला।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नम्रता त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि श्री रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला संपूर्ण आचार-संहिता है।उन्होंने कहा कि यदि मनुष्य अपने जीवन में मानस की शिक्षाओं का अंश मात्र भी आत्मसात कर ले तो उसका जीवन स्वतः ही अनुशासित,मर्यादित और सार्थक बन सकता है।

उन्होंने कहा कि आज के भौतिकवादी दौर में जब समाज तनाव,स्वार्थ और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब रामचरितमानस का संदेश प्रकाशस्तंभ की तरह मार्गदर्शन देता है।भगवान श्रीराम का जीवन त्याग,करुणा,कर्तव्य और मयार्दा का

सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करता है।इन मूल्यों को अपनाकर व्यक्ति न केवल स्वयं का बल्कि परिवार और समाज का भी कल्याण कर सकता है।

उद्घाटन से पूर्व मुख्य अतिथि ने श्री राम दरबार की परिक्रमा कर विधिवत पूजा-अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जैसे ही मानस पाठ का शुभारंभ हुआ, मंदिर परिसर ह्लजय श्रीरामह्व के उद्घोष से गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।इसके बाद यज्ञ समिति की ओर से नम्रता त्रिपाठी का गाजे-बाजे,पुष्पमालाओं और पारंपरिक सम्मान के साथ भव्य स्वागत किया गया।

समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मानस पाठ में सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों,संस्कारों और आपसी सौहार्द को सुदृढ़ करते हैं तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनते हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दीनानाथ तिवारी,अजय तिवारी,ललन तिवारी,बसंत तिवारी, नवीन तिवारी,संतोष तिवारी(पिंकू),मनोज तिवारी (पिंटू), सत्य प्रकाश(मोनू), पारस विश्वकर्मा, विनय प्रसाद, पंकज सिंह,विकास तिवारी, संदीप विश्वकर्मा, भानु पांडेय, कुणाल शांति प्रिय,बबलू तिवारी, गुड्डू तिवारी, धनंजय तिवारी, सुशील तिवारी, अखिलेश तिवारी,छोटू पाठक,श्याम देव तिवारी, आर्यन तिवारी, संजय राम, लल्लू राम, कालू,गौतम,बलवंत एवं बबलू विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यज्ञ समिति के अध्यक्ष रिंकू तिवारी और कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण तिवारी ने बताया कि नौ दिनों तक चलने वाले इस नवाह परायण यज्ञ में प्रतिदिन मानस पाठ,प्रवचन एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह ने धर्म,संस्कृति और समाज की उन्नति के लिए सामूहिक प्रार्थना की।